आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 09 मार्च 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 112

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

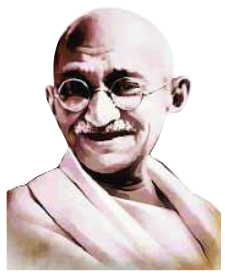

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

किसान के 20 बीघा गेहूं की फसल में लगी आग

पेज-2

फिल्म 'पैन इंडिया' में नजर आएगी में संयुक्ता

पेज-5

प्रॉपर्टी गाइडलाइन 20 फीसदी से ज्यादा बढ़ेगी

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- तमिलनाडु : त्रिची में विशाल जनसभा आयोजित करेगी DMK, 10 लाख कार्यकर्ता लेंगे भाग
- बिहार राज्यसभा चुनाव में नाम वापसी का आखिरी दिन, 5 सीटों पर छह उम्मीदवारों ने किया नामांकन
- कर्नाटक : पुलिस ने मस्जिद की दीवार पर नाबालिग से 'जय श्रीराम' के नारे लिखवाने वाले व्यक्ति को किया गिरफ्तार
- रूस : कामचटका क्षेत्र के पूर्वी तट पर 6 तीव्रता का भूकंप आया
- हरिद्वार-देहरादून हाईवे पर कई गाड़ियां आपस में टकराईं, हादसे के बाद वाहनों में लगी आग
- मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच सऊदी अरब के रक्षा मंत्री को ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी PM ने किया फोन
- गाजा में इजरायल रक्षा बलों की बड़ी एयरस्ट्राइक, दो लड़कियों समेत छह फिलिस्तीनियों की मौत
- बहरीन में ड्रोन हमले में आम लोग घायल हुए, घरों को नुकसान पहुंचा

निकाय चुनाव को देखते हुए पहले एल्डरमैन-जनभागीदारी में पद देकर साधेगी भाजपा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मंत्री दर्जा पाने की उम्मीद लगाए बैठे नेताओं को अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। भाजपा ने फिलहाल प्रदेश के निगम-मंडलों और बड़े बोडों में होने वाली राजनीतिक नियुक्तियों पर ब्रेक लगा दिया है। पार्टी और सरकार की प्राथमिकता पहले एल्डरमैन और सरकारी कॉलेजों की जनभागीदारी समितियों के खाली पदों को भरने की है। हालांकि इस दौरान चार-पांच महत्वपूर्ण निगम मंडलों में सीमित नियुक्तियां किए जाने की संभावना भी बनी हुई है। दरअसल पिछले तीन चार महीनों से सरकार और भाजपा संगठन निगम-मंडलों सहित अन्य राजनीतिक नियुक्तियों की तैयारी में जुटे थे। इसके लिए नामों की सूची भी तैयार कर केंद्रीय नेतृत्व तक भेजी गई थी, लेकिन अब सबसे अहम माने जाने वाले निगम मंडलों की नियुक्तियों को फिलहाल टाल दिया गया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार अगले साल प्रस्तावित नगरीय निकाय चुनाव को देखते हुए भाजपा विवादों से बचना चाहती है, इसलिए बड़े पदों पर नियुक्तियों को रोक कर पहले स्थानीय स्तर के पदों पर कार्यकर्ताओं को अवसर देने की रणनीति बनाई गई है। सूत्र बताते हैं कि एल्डरमैन और जनभागीदारी समितियों के जरिए बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं को पद देकर संगठनात्मक संतुलन बनाने की कोशिश होगी। इससे नगरीय निकायों में भाजपा की पकड़ मजबूत करने के साथ-साथ कार्यकर्ताओं की नाराजगी भी कम करने की रणनीति है। इसी कड़ी में भाजपा ने बचे हुए मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति प्रक्रिया भी तेज कर दी है। शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से छतरपुर जिले के गढ़ीमलहरा मंडल अध्यक्ष के नाम की घोषणा की गई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक शेष मंडल अध्यक्षों के नाम भी अगले तीन-चार दिनों में घोषित किए जा सकते हैं।

जनभागीदारी समितियों का कार्यकाल समाप्त- प्रदेश के 500 से अधिक सरकारी कॉलेजों में वर्ष 2022 में जनभागीदारी समितियों का गठन किया गया था। इनमें से 300 से अधिक समितियों का कार्यकाल पिछले साल नवंबर में समाप्त हो चुका है, जबकि शेष समितियों का कार्यकाल भी अब पूरा हो गया है। इनका कार्यकाल तीन साल का होता है। ऐसे में अप नई नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है, जिनमें प्रदेश भर के सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता और संगठन से जुड़े नेताओं को शामिल किया जा सकता है।

स्थानीय नेताओं को साधने की रणनीति

सूत्रों के मुताबिक सगठन और सरकार के बीच हुए समन्वय में यह तय किया गया है कि इन नियुक्तियों के जरिए उन स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जो लंबे समय से संगठन में सक्रिय हैं, लेकिन प्रदेश या जिला कार्यकारिणी में जगह नहीं पा सके। इससे जिला कार्यकारिणी में जगह न मिलने से पैदा हुई नाराजगी को भी कम करने की कोशिश होगी।

युवा और महिला मोर्चा की कार्यकारिणी पर नजर

भाजपा ने डाल ही में एससी, एसटी, ओबीसी, किसान, महिला और युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा कर दी है, लेकिन महिला मोर्चा और युवा मोर्चा की कार्यकारिणी अभी तक घोषित नहीं हो पाई है। पाटी इन दोनों मोर्चों की कार्यकारिणी के जरिए बड़ी संख्या में युवाओं और महिला कार्यकर्ताओं को संगठन में पद देने की तैयारी कर रही है। संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के लिए इन दोनों मोर्चों की कार्यकारिणी का गठन जल्द किए जाने के संकेत है।

निगम मंडलों में नियुक्ति पर लग सकता है ब्रेक

यहां होंगी एल्डरमैन की नियुक्तियां

भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर नगर निगमों में 12-12 एल्डरमैन नियुता किए आएगे। वहीं मुरैना, सिंगरौली, रीवा, सतना, छिंदवाड़ा, उज्जैन, सागर बुरहानपुर, खंडया, देवास, रतलाम और कटनी नगर निगमों में 8-8 एल्डरमैन बनाए जाने है। इसके अलावा 99 नगर पालिकाओं में से लगभग 70 में 6-6 और 264 नगर परिषदों में से करीब 180 में 4-4 एल्डरमैन नियुक्त किए जाने की प्रर्णिया चल रही है। आमतौर पर दस लाख से अधिक आबादी वाले नगर निगमों में 12 एल्डरमैन नियुक्त किए जा सकते है, जबकि छोटे निकायों में यह संख्या कम होती है। एल्डरमैन की नियुक्ति के जरिए भी बढ़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को पद दिए जाएंगे।

रंगों का त्योहार : भाजपा ने बनाई दूरी, जीतू ने मनाया जमकर जश्न

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 35 लोगों की मौत के मामले में भाजपा सरकार को घेरने का कांग्रेस कोई मौका नहीं छोड़ रही हैं, सड़क से लेकर सदन तक कांग्रेस आक्रामक हैं, जबकि भाजपा इसका लगातार बचाव कर रही हैं। इंदौर की भी इसकी देशभर में जमकर कीरकीरी हुई है। हालांकि भागीरथपुरा की घटना को लेकर नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय व महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने होली-रंगपंचमी के त्योहार से दूरी बनाई हैं, दोनों ही गेर में भी शामिल नहीं हुए हैं, मंत्री विजयवर्गीय ने बजरबट्टू सम्मेलन को भी निरस्त करवा दिया था।

लेकिन इस मामले में अब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी घिरते हुए नजर आ रहे हैं, जबकि पटवारी पहले दिन से ही भागीरथपुरा की घटना पर बेहद आक्रामक है, उन्होने बड़ा गणपति से लेकर राजबाड़ा तक मौन मार्च भी निकाला था, वहीं राहुल गांधी को भी भागीरथपुरा लेकर आए थे। वैसे पटवारी को घेरने वाले भाजपाई नहीं हैं, बल्कि कांग्रेस के पुर्व पदाधिकारी हैं। रविवार को पटवारी ने अपने भोपाल निवास पर होली मिलन समारोह आयोजित किया, जिसकी इंदौर के कुछ कांग्रेस नेताओं ने आलोचना की हैं, और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर इसे निरस्त करने की मांग की थी। हालांकि पटवारी ने होली मिलन जमकर मनाया, और दिल्ली से ये निरस्त भी नहीं हो सका। वैसे इससे कांग्रेस की गुटबाजी जरूर एक बार फिर सामने आ गई हैं। कांग्रेस नेताओं का तर्क था कि भागीरथपुरा की घटना को लेकर इंदौर अभी शोक में हैं, और इस मामले में कांग्रेस लगातार पीड़ितों व प्रभावितों के साथ हैं, दुख की घड़ी में कांग्रेस को ऐसे कोई आयोजन नहीं करना चाहिए, जिससे की कथनी और करनी में अंतर नजर आए।

रंगपंचमी पर फीका पड़ा सियासी रंग,नेताओं के बिना निकली गेर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में रंगपंचमी पर निकलने वाली पारंपरिक गेर इस बार कई मायनों में अलग नजर आई। आयोजन में इस बार राजनीतिक मौजूदगी बेहद कम रही और अधिकांश गेर गैर-राजनीतिक स्वरूप में दिखाई दीं।

पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मणसिंह गौड़ द्वारा दो दशक पहले शुरू की गई फाग यात्रा उनके निधन के बाद अब परिवार द्वारा निकाली जा रही है। इस गेर में कुछ हद तक राजनीतिक स्वरूप देखने को मिला, जबकि बाकी प्रमुख गेर इस बार राजनीतिक रंग से लगभग दूर रहीं। पिछले साल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति से गेर को राजनीतिक स्वरूप मिला था। इसके अलावा मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और उनके समर्थक भी हर साल बड़ी संख्या में शामिल होते रहे हैं। इस बार वे गेर में नजर नहीं आए। विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की अनुपस्थिति भी चर्चा में रही। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने भागीरथपुरा कांड के शोक के कारण होली और रंगपंचमी नहीं मनाने और गेर में शामिल न होने की घोषणा पहले ही कर दी थी। हालांकि नगर निगम की पारंपरिक गेर निकाली गई, लेकिन उसमें भी प्रमुख राजनीतिक चेहरे नहीं दिखे। हर साल निकलने वाली 'रसिया गेर' इस बार नहीं निकली। इससे आयोजन की गति और स्वरूप पर भी असर देखने को मिला। इस बार गेर देर से शुरू होने के बावजूद अपेक्षाकृत जल्दी समाप्त हो गई।

74.5 करोड़ ने एक साथ देखी टीम इंडिया की जीत

नई दिल्ली (एजेंसी) ● भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए फाइनल ने ऑनलाइन व्यूअरशिप का नया इतिहास बना दिया। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जियो हॉस्टर्स पर आखिरी विकेट गिरने के समय करीब 74.5 करोड़ लोग एक साथ मैच देख रहे थे। टीम इंडिया की इस जीत के साथ फाइनल दुनिया के सबसे ज्यादा देखे गए लाइव क्रिकेट इवेंट्स में शामिल हो गया।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल ने सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि स्क्रीन पर भी नया इतिहास बना दिया। टीम इंडिया की जीत का पल देखने के लिए दुनिया भर से करोड़ों लोग एक साथ ऑनलाइन जुड़ गए। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जियो हॉस्टर्स पर इस मैच की व्यूअरशिप इतनी ज्यादा रही कि पुराने सारे रिकॉर्ड पीछे छूट गए। जब न्यूजीलैंड का आखिरी विकेट गिरा और भारत ने खिताब अपने नाम किया, उस वक्त करीब 74.5 करोड़ लोग एक साथ मैच देख रहे थे।

ईरान जंग : शेयर बाजार में रिकार्ड गिरावट

मुंबई (एजेंसी) ● पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आई तेज उछाल ने वैश्विक और भारतीय शेयर बाजारों को बुरी तरह झकझोर दिया है।

सोमवार की सुबह भारतीय शेयर बाजार के लिए किसी सदमे से कम नहीं रहा। बेंचमार्क सूचकांक भारी बिकवाली के दबाव के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 2,320 अंकों का भारी गोता लगाकर 76,598 के स्तर पर आ गया, वहीं निफ्टी करीब 700 अंक टूटकर 23,764 पर पहुंच गया। बैंक

निफ्टी में भी 2,288 अंकों की भारी गिरावट दर्ज की गई।रुपया भी शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 43 पैसे गिरकर 92.25 पर आ गया।

कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा उछाल-युद्ध के कारण 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' से तेल की आवाजाही प्रभावित होने की आशंका है। कुवैत, यूएई और इराक जैसे प्रमुख देशों ने उत्पादन में भारी कटौती की है। कतर के ऊर्जा मंत्री की इस चेतावनी ने कि कीमतें 150 डॉलर तक जा सकती हैं, बाज़ार की घबराहट को और बढ़ा दिया है।

विदेशी निवेशकों की निरंतर और भारी निकासी-भारतीय बाज़ार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का पलायन जारी है। शुक्रवार को FIIs ने कैश, इंडेक्स और स्टॉक फ्यूचर्स मिलाकर कुल 9,459 करोड़ रुपये की भारी बिकवाली की।

सोए कुंभकरण की नींद बनेडिया झोलाछाप डॉक्टर पर कार्यवाही का इंतजार

जान के साथ हो रहे खिलवाड़ से अनजान स्वास्थ्य विभाग के गैर जिम्मेदार अधिकारी

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

ग्रामीण क्षेत्रों में झोलाछाप डॉक्टरों ने अपना जाल बिछा रखा है। इसमें बंगाल के कुछ बंगाली डॉक्टर भी अपना जादू इलाज के नाम पर गांव-गांव में दिखा रहे हैं। आम जनता की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा, लेकिन स्वास्थ्य विभाग में बैठे हैं। जिम्मेदार अधिकारी कुंभकरण की नींद सोए हैं। सूत्र बताते खुलेआम झोलाछाप डॉक्टरों को स्वास्थ्य विभाग का संरक्षण मिल रहा है। धड़ल्ले से बोतल, इंजेक्शन और दवाइयां का उपयोग किया जा रहा, लेकिन ना इनके पास कोई डिग्री है ना कोई परमिशन। सूत्रों से पता चला है कि कहीं झोलाछाप डॉक्टरों ने लिफाफे की बंदी के माध्यम से सेटिंग कर रखी है, इसलिए जिम्मेदार अधिकारियों के हाथ कार्रवाई तक नहीं जाते, जिसका सीधा फायदा झोलाछाप डॉक्टर उठाते है। बनेडिया गांव के झोलाछाप डॉक्टरों की शिकायत देपालपुर ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर पास मौखिक रूप से आई, लेकिन कार्यवाही का आश्वासन देते हुए इस मामले को ब्लॉक

मेडिकल ऑफिसर ने ठंडे बस्ते में डाल दिया, लेकिन बनेडिया के जिस क्लीनिक की शिकायत बीएमओ के पास पहुंची है, वहां 1 साल पहले भी स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बड़ी कार्यवाही की साथ ही झोलाछाप डॉक्टर का क्लीनिक सील कर दिया था, लेकिन झोलाछाप डॉक्टर ने अपने राजनीतिक रसूख और लिफाफे का जादू दिखाकर 3 दिन बाद ही क्लीनिक चालू करवा लिया, लेकिन आज भी वहां मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग को इनकी डिग्री, पंचायत की अनुमति के कागज आखिर क्यों दिखाई नहीं दे रहे? क्यों जिम्मेदार अधिकारी अनजान बने हुए या फिर कोई बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है? बनेडिया के इस क्लीनिक पर कोई बोर्ड या बैनर क्लीनिक के नाम का नहीं लगा हुआ, ग्रामीण क्षेत्रों में पहले भी कई बार गलत दवाइयां से गलत इंजेक्शनों से हादसे हो गए है फिर भी स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी कुंभकरण की नींद सोए हैं।

- *बनेडिया के ग्रामवासियों को कार्रवाई का इंतजार है। स्वास्थ्य विभाग कार्यवाही करेगा या फिर लक्ष्मी की माया के आगे लाचार या बेबस हो जाएगा। नाम नहीं छापने की शर्त पर बनेडिया के एक समाजसेवी ने कहा 2 दिन में अगर कार्रवाई नहीं की गई तो इस मामले की शिकायत इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा के समक्ष की जाएगी।*
- *इस मामले में ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर वंदना केसरी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि बनेडिया का मामला मेरे संज्ञान में आया है। इस मामले को कल में दिखवाती हूं, जो भी अनियमिता सामने आएगी कठोर कार्यवाही की जाएगी*

प्रदेश के 395 निकायों के अध्यक्षों की कुर्सी पर खतरा!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश की नगर पालिका और नगर परिषदों के अध्यक्ष के वित्तीय अधिकार शून्य घोषित होने का खतरा है। ये अध्यक्ष वर्ष 2022 और उसके बाद हुए चुनाव के बाद चुने गए थे और सरकार ने इनके निर्वाचन का नोटिफिकेशन नहीं किया था।

अब तक 2 निकाय श्योपुर और पानसेमल के अध्यक्षों के वित्तीय अधिकार शून्य घोषित कर दिए हैं। डबरा का मामला कोर्ट में है। हाईकोर्ट पहुंचे इन मामलों में सुनवाई के बाद कोर्ट ने ऐसे अध्यक्षों को विधिवत निर्वाचित नहीं माना है और इनके वित्तीय अधिकार सीएमओ या एसडीएम को सौंपने के आदेश दिए हैं।

आगे डबरा नगर पालिका समेत प्रदेश की 98 नगर पालिका और 297 नगर परिषद अध्यक्षों की कुर्सी पर खतरा मंडरा रहा है। कानून के जानकारों के मुताबिक जैसे-जैसे शिकायतें होगी, इनके अध्यक्षों के वित्तीय अधिकार शून्य घोषित होते जाएंगे। बता दें, प्रदेश में कुल 99 नगर पालिका और 298 नगर परिषद हैं। हाईकोर्ट के अधिवक्ता ब्रह्ममूर्ति तिवारी बताते हैं कि नगर परिषद और नगर पालिका अध्यक्षों के वित्तीय अधिकार शून्य किए जाने की शुरुआत इंदौर की पानसेमल नगर परिषद के अध्यक्ष पद के विवाद से शुरू हुई। यहां के अध्यक्ष के खिलाफ विरोधी पार्षद ने जिला न्यायालय के एडीजे कोर्ट में शिकायत की थी। कोर्ट ने सरकार से जानकारी मांगी तो सरकार सही जवाब नहीं दे पाई। इस पर एडीजे कोर्ट ने आदेश दिया कि नगर परिषद अध्यक्ष के वित्तीय अधिकार शासन का नोटिफिकेशन नहीं होने से मौजूद नहीं हैं।

इसलिए शून्य घोषित किए वित्तीय अधिकार

दरअसल, तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में निकाय चुनाव में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निकाय और पंचायत चुनाव आनन-फानन करा दिए थे। तब नगर निगमों के चुनाव तो सीधे जनता से कराए गए थे, लेकिन नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्षों को जनता के बजाय पार्षदों से चुन लिया गया। खास यह है कि चुनाव के बाद नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद के महापौर और पार्षद का बकायदा नोटिफिकेशन कर जीत-हार का ऐलान किया गया था। जबकि नगर पालिका और नगर परिषद के पार्षदों से चुने गए अध्यक्षों का नोटिफिकेशन राज्य सरकार के नगरीय विकास और आवास विभाग ने नहीं किया था।

न्यूज ब्रीफ

प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का जन्म कल्याणक महामहोत्सव पुरे भारत में मनाएं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● युग प्रवर्तक भगवान ऋषभदेव के जन्म कल्याणक पुरे देशभर में गूंजेगा षट्कर्मों का संदेश

भारतवर्ष। सृष्टि के आदि पुरुष, षटकर्मों के प्रणेता और प्रथम तीर्थंकर भगवान श्री 1008 ऋषभदेव (आदिनाथ भगवान) का पावन जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव इस वर्ष 12 मार्च, गुरुवार को पूरे देश में बड़े ही हर्ष हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर जैन समाज द्वारा विभिन्न सार्वजनिक आयोजनों के माध्यम से भगवान ऋषभदेव के जीवन दर्शन और उनके द्वारा दी गई जीवन-जीने की कला को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया है।

दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद का शपथ विधि समारोह 9 मार्च को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिगंबर जैन समाज , सामाजिक संसद के नव मनोनीत संचालक मंडल का शपथ विधि समारोह सोमवार 9 मार्च को रात्रि 7:00 बजे एम जी रोड , स्थित प्रेस क्लब हाल में होगा। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष श्री विनय बाकलीवाल एवं प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि कमेटी में परम संरक्षक, संरक्षक , परामर्शदाता , वरिष्ठ उपाध्यक्ष , मंत्री , संयुक्त मंत्री , युवा प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ, चिकित्सा प्रकोष्ठ , विधि प्रकोष्ठ, धार्मिक गतिविधि प्रकोष्ठ आदि बनाए गए हैं उनके सभी पदाधिकारी उस दिन पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे।

तक्षशिला पोस्ट ऑफिस अब Gen Z पोस्ट ऑफिस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डाक विभाग द्वारा आमजन को विशेषकर युवाओं को आधुनिक एवं सुविधाजनक सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए देवी अहिल्या विश्वविद्यालय तक्षशिला परिसर खंडवा रोड स्थित उप डाकघर को नवीनीकृत कर नेक्स्ट जेनरेशन पोस्ट ऑफिस (Gen Z Post office) के रूप में विकसित किया गया है। इसका उद्घाटन सोमवार, 09 मार्च 2026 को दोपहर 03:00 बजे श्रीमती प्रीती अग्रवाल, पोस्टमास्टर जनरल, इंदौर क्षेत्र की अध्यक्षता एवं डॉ राकेश सिंघई , कुलपति, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा । शिवांसु कुमार, प्रवर अधीक्षक डाकघर इंदौर नगर संभाग द्वारा बताया गया कि मध्य प्रदेश में आईआईएम इंदौर उप डाकघर एवं मैनिट भोपाल उप डाकघर के बाद अब तक्षशिला उप डाकघर को आधुनिक स्वरूप देते हुए Gen Z पोस्ट ऑफिस के रूप में तब्दील कर यहां ग्राहकों के लिए बेहतर काउंटर व्यवस्था, विभिन्न सुविधाएं तथा युवा पीढ़ी को आकर्षित करने वाले नवाचारों को शामिल किया गया है ।

शिक्षक पात्रता परीक्षा संबंधी सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय पर एनसीटीई से हस्तक्षेप का आग्रह

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का एक प्रतिनिधिमंडल आज राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) के अध्यक्ष प्रो. पंकज अरोड़ा से नई दिल्ली में मिला। प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्णय (01 सितम्बर 2025, सिविल अपील संख्या 1385/2025) में NCTE द्वारा उचित हस्तक्षेप किए जाने का अनुरोध किया। महासंघ ने अवगत कराया कि सभी कार्यरत शिक्षकों के लिए TET उत्तीर्ण करना अनिवार्य करने संबंधी इस निर्णय से देशभर के लगभग 20 लाख शिक्षकों की सेवा निरंतरता, पदोन्नति एवं आजीविका पर संकट उत्पन्न हो गया है।

रंगपंचमी गेर में हेलीकॉप्टर से पुष्प, गुलाल वर्षा की नहीं दी मंजूरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के प्रसिद्ध रंगपंचमी की गेर का भव्य आयोजन रविवार 8 मार्च दोपहर को संपन्न हुआ। गेर निकलने के बाद ही तत्काल नगर निगम की टीम और सफाईकर्मी जुटे और एक घंटे के भीतर सड़कों को फिर से साफ कर चकाचक कर दिया। बताया जाता है कि इस परंपरागत आयोजन में करीब 6 लाख लोगों ने शिरकत की। लेकिन इसके बाद भी आयोजन में राजनीति के आरोप लग गए। कांग्रेस के पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल के साथ ही बीजेपी के पूर्व विधायक गोपीकृष्ण नेमा नाराज हुए।

कांग्रेस के सचिव व पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल ने इस बार हेलीकॉप्टर के जरिए गेर पर पुष्प व गुलाल वर्षा की तैयारी की थी। इससे इस परंपरागत आयोजन को और भव्य स्वरूप मिलता। लेकिन ऐनवक्त पर प्रशासन ने इसकी मंजूरी देने से

मना कर दिया। इस मामले में सत्यनारायण पटेल ने हेलीकॉप्टर के साथ वीडियो डाला। इसमें आरोप लगाए कि प्रशासन ने ऐनवक्त पर मंजूरी नहीं दी। इससे निराशा है, यह राजनीति से प्रेरित फैसला है। प्रयागराज के कुंभ में हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। इंदौर में इसके पहले ही विविध धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम में इसकी मंजूरी दी। हाल ही में हमने गोंदवले धाम में यह किया। लेकिन हमें इस बार कहा गया कि भीड़ व अन्य कारण से यह मंजूरी नहीं दे सकते। अगले साल कोशिश करेंगे कि यह मंजूरी दे दें। इंदौर की पहचान और सामाजिक एकता की प्रतीक गेर में यह मंजूरी नहीं देना समझ के परे है। इससे आयोजन में नवाचार होता और भव्य होता। इंदौर में इसके पहले 200-300 आयोजनों में इसकी मंजूरी दी जा चुकी है। इस फैसले से इंदौर की भावनाएं आहत है। वहीं, पूर्व विधायक गोपीकृष्ण नेमा बिजली कंपनी पर जमकर भड़के। उन्होंने कहा कि बिजली कंपनी और प्रशासन, निगम के अधिकारियों की नासमझी के चलते त्योहार में रंग में भंग पड़ा।

गेर खत्म होते ही शुरू हुई सफाई

रंगपंचमी के गेर के लिए प्रशासन और पुलिस की पुख्ता व्यवस्था रही, हुड़दंग नहीं हुआ। वहीं चाक चौबंद पुलिस ने पाकेटमार व अन्य असामाजिक तत्वों को तत्काल हिरासत में लिया। वॉच टावर से सीपी संतोष सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा लगातार नजर रखे रहे। हर जगह सीसीटीवी थे और ड्रोन से भी निगरानी थी। गेर खत्म होते ही महापौर पुष्यमित्र भार्गव, निगमायुक्त क्षितिज सिंघल, अपर आयुक्त प्रखर सिंह के साथ 400 से ज्यादा सफाईकर्मी राजवाड़ा पहुंचे और सफाई की गई। एक घंटे में ही सड़कें चकाचक हो गई।

गेर के हाईटेक इंतजाम को देख लोग बोले-वेलडन पुलिस... कैमरे से 170 लोग पकड़े

देश-विदेश में ख्याति प्राप्त इंदौर की रंगपंचमी गेर के दौरान पुलिस कमिश्नर स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की मानीटरिंग करते रहे। भारी भीड़ के दौरान भी पुलिस के पुख्ता इंतजाम से किसी बड़ी अप्रिय घटना नहीं हुई। इंतजाम देखकर स्मार्टसिटी के रहवासी बोले वेलडन पुलिस ...। रविवार को रंग पंचमी पर निकलने वाली गेर के दौरान पुलिस के हाईटेक इंतजाम और महिला ब्रिगेड की सख्ती के कारण कोई बड़ी अप्रिय घटना सामने नहीं आई। गेर में शामिल लोगों ने - पुलिस इंतजाम को बेहद सराहा है। इन इंतजामों की मानीटरिंग स्वंय पुलिस कमिश्नर संतोषकुमार सिंह कर रहे थे और वे अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दे रहे थे। ड्रोन और सीसीटीवी की निगरानी के दौरान गेर में गड़बड़ी करने वाले करीब 170 लोगों को पुलिस ने पकड़ा है। 80 से ज्यादा पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई है। दो दर्जन से ज्यादा ऐसे संदिग्धों को हिरासत में लिया गया जिन पर पर्स चोरी का शक था। महिला ब्रिगेड ने भी कई मनचलों को स्पाट पर ही सबक सिखाया और कान पकड़कर उठक-बैठक लगवाई। शहर के प्रमुख चौराहों पर भी बेरिकेट्स लगाकर चैकिंग का सिलसिला चलता रहा। शराब पीकर वाहन चलाने वाले कई लोगों को भी पुलिस ने वाहन जब्त कर पैदल घर भेजा। पुलिस कमिश्नर ने शनिवार को ही पुलिस टीम की बैठक लेकर शहर में कड़ी व्यवस्था के निर्देश दिए थे। शहर में गेर व विभिन्न आयोजनों में पुलिस व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर 2500 से अधिक का पुलिस बल तैनात किया था पूरे संसाधनों से लैस होकर ड्यूटी करता नजर आया। गेर व फाग यात्रा के पूरे मार्ग को 6 सेक्टरों में पुलिस टीमों को सक्रिय किया गया था। 12 पुलिस सहायता मंचों व 11 वॉचटावर पर पीए सिस्टम, बॉयनाकूलर, दूरबीन, कैमरों आदि विभिन्न संसाधनों से लैस होकर पुलिसकर्मी तैनात रहे।

किसान के 20 बीघा गेहूं की फसल में लगी आग

अज्ञात कारणों से लगी आग 10 से 12 लाख रु की फसल जलकर हुई खाक

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

बेटमा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सगडोद में दोपहर 1 बजे के लगभग 20 बीघा खड़ी फसल में अज्ञात कारणों से आग लग गई करीब 20 बीघा गेहूं की खड़ी फसल जलकर खाक हो गई जैसे ही खेत पर आग लगने की सूचना ग्रामीण जनों को लगी वह तत्काल मौके पर पहुंचे साथ ही खेत मालिक योगेश पिता लक्ष्मी नारायण मकवाना ने तत्काल फायर ब्रिगेड और संबंधित पुलिस थाने पर सूचना दी देपालपुर और बेटमा के फायर ब्रिगेड तत्काल मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास किया साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीणजन भी मौजूद थे। उन्होंने भी आग बुझाने में मदद की लेकिन तब तक किसान की 20 बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई, आग की लपेटे बहुत तेजी से फैल रही थी, पीड़ित किसान योगेश मकवाना ने

बताया कि मेरे खेत में बिजली की व्यवस्था नहीं है। मेरे खेत के पास भेड़ चराने वाले राजस्थानी दो दिन से वही रूके थे हो सकता है वहीं से कुछ हादसा हुआ होगा, क्योंकि मेरे खेत में शॉर्ट सर्किट तो हो नहीं सकता साथ ही मेरे 20 बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई 10 से 12 लाख रुपए के लगभग मुझे नुकसान हुआ मैंने मौके से बेटमा पुलिस को फोन लगाया 112 मौके पर आई लेकिन गंभीरता से कोई जांच नहीं की गई। मैं कल इस विषय पर बेटमा थाना प्रभारी से मिलकर गंभीरता से जांच की बात करूंगा साथ ही पीड़ित किसान ने कहा किसान दिन रात अपने खेत पर मेहनत कर फसल उगाता दवाई से लेकर खाद बीज बुवाई तक किसान हजारों रुपए खर्च करता लेकिन आग लगने के कारण आज मेरी लाखों

की फसल जल गई किसान के पास साल में दो बार फसल आती उसी में वह अपना जीवन व्यापन करता है खाद बीज दवाई का हिसाब किताब समय समय पर करना होता है। पीड़ित किसान योगेश मकवाना ने कहा कि मेरा तो जो नुकसान होना था वह हो गया लेकिन क्षेत्र में कहीं ऐसे छोटे मोटे किसान हैं जिनके पास 5 बीघा 10 बीघा जमीन है। उसी से अपना गुजारा करते हैं उन किसान भाइयों से मेरा निवेदन है कि वह अपनी फसल की देखभाल अच्छे से करे धूम्रपान करने वाले से भी निवेदन है कि बीड़ी सिगरेट जलाकर खेत की तरफ माचिस की तिल्ली ना फेंके उससे भी कहीं बार खड़ी फसल में आग लग जाती है आपकी एक गलती के कारण किसान की पक्की पकाई फसल बर्बाद हो सकती है।

मुस्लिम और बोहरा समाज द्वारा मनाया जा रहा है पवित्र रमजान माह

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रमजान के पवित्र माह में मुस्लिम और बोहरा समाज के लोग रोजा रखते हैं। हर दिन सवेरे जल्दी उठकर सेहरी (कुछ खाना पीना) करते हैं। फिर पूरे दिन कुछ भी खाना पीना नहीं करते हैं। शाम सूर्यास्त के समय मगरिब की अजान होते ही इफ्तार करते हुवे रोजा खोला जाता है। इस पवित्र माह में दान-पुण्य का भी विशेष महत्व होता है। रमजान का मुकद्दस महीना चल रहा है, जो दुनिया भर के मुसलमानो के लिए बेहद खास है। माहे रमजान में अल्लाह ताअला की रहमतों की बारिश के बाद माहे रमजान का दूसरा अशरा पूरा होने को है, साथ तीसरा व आखरी अशरा मगफिरत का शुरू होगा। माहे रमजान का मुबारक चांद नजर आते ही नगर में इबादत और अक़ीदत का सिलसिला भी शुरू हो गया है। इस पाक महीने में मुसलमान सुबह से शाम तक रोजा रख कर अपने रब की इबादत करते हैं।

इंदौर का एलिवेटेड कॉरिडोर अब अपने आप में एक अनोखी मिसाल बनता जा रहा है

यह परियोजना सुरसा के मुंह की तरह लगातार लंबी और महंगी होती चली जा रही है

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● साल 2019 में इस परियोजना की शुरुआत लगभग 6.50 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड के रूप में हुई थी, जो शहर के आठ चौराहों को पार करता। उस समय इस परियोजना की जीएडी तैयार की गई और लगभग 250 करोड़ रुपये का टेंडर जारी हुआ। जीएडी किसी भी सरकारी निर्माण कार्य की मूल आत्मा मानी जाती है, क्योंकि उसी के आधार पर पूरा प्रोजेक्ट बनाया जाता है।

लेकिन जब इस परियोजना की उपयोगिता पर सवाल उठे और बताया गया कि इसका वास्तविक उपयोग 2% से भी कम रहेगा, तब योजना में बदलाव करते हुए इसमें तीन अतिरिक्त भुजाएं जोड़ दी गईं। एक शिवाजी वाटिका से एग्रीकल्चर कॉलेज की ओर, दूसरी गीताभवन से मधुमिलन चौराहे की ओर, और तीसरी गीता

चौराहे से साकेत की ओर। यह दावा किया गया कि इन बदलावों के बाद इस एलिवेटेड रोड की उपयोगिता 40% से अधिक हो जाएगी। हालांकि इस पर भी आपत्तियां उठीं और इसे अब भी अनुपयोगी बताया गया, जिसके चलते यह परियोजना लगभग 4-5 साल तक रुकी रही। फिर अचानक एक दिन इसका ऑनलाइन भूमिपूजन कर दिया गया। इस परियोजना का पहली बार सर्वे हुआ और कुछ समय बाद फिर यह बात पुख्ता सामने आई कि यह एलिवेटेड पुल व्यावहारिक रूप से उपयोगी नहीं है, इसलिए घोषणा की गई कि इसे नहीं बनाया जाएगा और अलग-अलग चौराहों पर आवश्यकता अनुसार सुधार कार्य किए जाएंगे।

इसके बाद फिर एक सर्वे हुआ और चरणबद्ध तरीके से चौराहों के विकास की योजना बनाई गई। लेकिन इसके कुछ समय बाद ही अचानक फिर से एलिवेटेड रोड बनाने की घोषणा कर दी गई। इस बार इसे दो भुजाओं और तीन रोटरी के साथ बनाया जा रहा है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 600 करोड़ रुपये बताई जा रही है, जबकि मूल परियोजना केवल 250 करोड़ रुपये की थी।इतना ही नहीं, इस परियोजना में शहर की लाइन शिफ्टिंग और अन्य कार्यों के लिए लगभग 200 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च भी अनुमानित है। यानी कुल लागत और भी बढ़ने की संभावना है।

सबसे गंभीर बात यह है कि मूल टेंडर की जीएडी को पूरी तरह अलग रखकर एक नया प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा है।इसके बावजूद शहर की जनता को स्थायी असुविधा और आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा। इतिहास में शायद यह पहला ऐसा उदाहरण होगा, जहां एक परियोजना बार-बार बदलते निर्णयों के कारण लागत, आकार और विवाद तीनों में लगातार बढ़ती चली जा रही है। - **अतुल शेठ**, इंजीनियर

गुरुवर इंदौर पधारों हम को भी तारों

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बनेडिया जी में श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र अष्टापद बद्रीनाथ के अध्यक्ष आदित्य कासलीवाल, महामंत्री कीर्ति पांड्या एवं ट्रस्टी ललित बड़जात्या, ने विशुद्ध कुल गोरव परम पूज्य, श्रुतसंवेगी मुनि श्री आदित्य सागर जी अप्रमित सागर जी सहज सागर जी एवं छुल्लक श्रेयस सागर जी महाराज संसघ को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर अध्यक्ष श्री आदित्यजी कासलीवाल ने मुनिश्री को अष्टापद तीर्थ का पोस्टर एवं विकास गाथा की पुस्तक भेंट की इस अवसर पर दिगंबर जैन सामाजिक संसद के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी श्री दिलीप पाटनी, प्रिंसपालजी टोंग्या, कुशलराज जैन, राजेंद्रजी सोनी एवं अनेक गुरु भक्त भी उपस्थित थे।

अधिकांश महिलाएं अब स्वतंत्र निवेश निर्णय लेती हैं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड ने यूगोव के साथ पार्टनरशिप में डीएसपी विनवेस्टर पल्स 2025-26 जारी किया है, जो 13 शहरों में 5,050 शहरी निवेशकों का एक राष्ट्रव्यापी अध्ययन है, जिसमें भारत के निवेश परिदृश्य में निर्णायक बदलावों के बारे में बात की गई है। महिलाएँ अपने वित्तीय निर्णयों की ज़िम्मेदारी का प्रभार तेज़ी-से ले रही हैं, यहाँ तक कि निवेशक के आत्मविश्वास और संरचित वित्तीय योजना के बीच एक चौड़ी खाई उभर रही है।

अधिकारियों/कर्मचारियों की लेटलतीफी पर सीएम सख्त

सरकारी दफ्तरों में फिर होगा सिक्स डेज वीक, आमजनों को मिलेगा अधिक समय

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश में समय पर दफ्तर न आने और कार्यों में लेटलतीफी के चलते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सख्त चेतावनी दी है कि यदि कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ, तो 5 डे वर्किंग की व्यवस्था खत्म कर पुन: 6 दिन काम का पुराना पैटर्न लागू किया जा सकता है।

भोपाल। कोरोना संकट समाप्त होने के बाद भी मध्यप्रदेश के सरकारी दफ्तरों में चल रहा फाइव डेज वीक कल्चर अब जल्द ही खत्म होने वाला है। पहले की तरह ही सिक्स डेज वीक जाएगा। हाल ही में मुख्यमंत्री के सुबह समय पर उपस्थिति की स्थिति को देखने के बाद मुख्यमंत्री सरकारी कार्यालयों में लागू किया निर्देश पर सरकारी कार्यालयों में कभी भी पांच दिन की जगह प्रदेश के सरकारी दफ्तरों में छह दिन काम की शुरुआत कर सकते है। कोरोना काल में जब सक्रमण काल था और कोरोना के फैलने से लोग बीमार हो रहे थे और लोगों की मौत हो रही थी तब राज्य सरकार ने पहले वर्क फ्राम होम सरकारी कर्मचारियों से काम कराया था। बाद में सप्ताह में छह दिन की जगह पांच दिन काम शुरु किए जाने का एलान किया गया था। कोरोना का संक्रमण लगभग समाप्त हो चुका है और सरकारी दफ्तरों, बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, मंदिरों, पर्यटन स्थलों पर आवाजाही सामान्य हो चुकी है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जब फाइव डेज वीक की शुरुआत की गई थी तब राज्य सरकार की यह सोच थी कि शासकीय कर्मचारी छह दिन की जगह पांच दिन ही कार्यालय आएंगे और सुबह और शाम के समय में इजाफा कर दिया गया था। सुबह साढ़े दस बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक काम होंने लगा थ। हर शनिवार और रविवार को अवकाश रहता है। लेकिन देखने में यह आ रहा था कि हर शुक्रवार को कर्मचारी दोपहर में भोजनावकाश के बाद जल्दी घर चले जाते है और सोमवार को भी सुबह के समय सरकारी दफ्तरों में काफी कम उपस्थिति रहती है। सरकारी ढील से कर्मचारियों के समय पर दफ्तर आने का ढर्रा और बिगड़ता गया। हाल ही में मुख्यमंत्री के निर्देश पर जब सुबह साढ़े दस बजे मंत्रालय के सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण कराया गया तो कई विभागो में तो सन्नाटा मिला और अधिकांश जगह काफी कम संख्या में कर्मचारी दफ्तर में मिले।

बाहर से आने वाले होते हैं परेशान-बाहर से मंत्रालय काम पर आने वाले आम नागरिकों की भी शिकायत है कि मंत्रालय में कर्मचारी सोमवार को सुबह जल्दी नहीं मिलते और शुक्रवार को दोपहर बाद भी कर्मचारियों का मिलना मुश्किल होता है। शुक्रवार को काम पूरा न होंने पर आम नागरिकों को सोमवार तक रुकना पड़ता है। ऐसे में उन्हें चार दिन राजधानी में स्थानीय निजी होटल, रिश्तेदारों के पास रुकना पड़ता है।

लंच ब्रेक के बाद गायब हो जाते हैं कई कर्मचारी

शासकीय कर्मचारियों द्वारा दोपहर में भी लंबा भोजनावकाश मनाया जाता है और बीच में भी चाय पीने, नाश्ता करने, शौचालय जाने और कई तरह के बहानों से कर्मचारी गायब रहते है। इससे प्रदेश के 55 जिलों से आने वाले आम नागरिकों के समय पर काम नहीं हो रहे है। अब मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव यह मन बना चुके है कि प्रदेश की जनता को मंत्रालय में अधिक से अधिक समय मिले और उनके काम समय पर पूरे हो उन्हें परेशान नहीं होना पड़े इसलिए फिर से राज्य मंत्रालय, वल्लभ भवन, सतपुड़ा-विंध्याचल और अन्य सरकारी कार्यालयों में सप्ताह में छह दिन काम की शुरुआत की जाए। कोशिश तो यह भी की जा रही है कि तीसरे और चौथे शनिवार को पहले जो अवकाश रहता था उसे भी समाप्त किया जाए ताकि आम नागरिकों को कोई दिक्कत न हो।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 09 मार्च 2026

उद्घाटन के अभाव में अटका आईएसबीटी 100 करोड़ का बस स्टैंड सूना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एमआर-10 पर कुमेड़ी/नायता मुंडला क्षेत्र में बना प्रदेश का सबसे बड़ा और अत्याधुनिक बस टर्मिनल इन दिनों वीरान नजर आता है। बाहर से देखने पर यह किसी एयरपोर्ट जैसा चमकदार भवन लगता है, चौड़ी एंट्री, विशाल हॉल, एसी व्यवस्था और व्यवस्थित प्लेटफॉर्म। लेकिन अंदर कदम रखते ही सन्नाटा स्वागत करता है। करीब 15 एकड़ में 100 करोड़ रुपए की लागत से बना यह इंटर स्टेट बस टर्मिनल (आईएसबीटी) एक साल से ज्यादा समय से तैयार है, लेकिन अब तक यहां से एक भी बस का संचालन शुरू नहीं हुआ है। उद्घाटन और संचालन एजेंसी तय न होने के कारण यह टर्मिनल खाली पड़ा है।सितंबर 2019 में मंजूरी के बाद इसे दिसंबर 2022 तक पूरा होना था। कोविड-19 के कारण निर्माण में देरी हुई और समयसीमा दो बार बढ़ानी पड़ी। इंदौर में यह बस टर्मिनल बनकर तैयार है लेकिन संचालन को लेकर अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी। इंदौर में यह बस टर्मिनल बनकर तैयार है लेकिन संचालन को लेकर अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी।

छठी बार टेंडर, फिर भी ऑपरेटर नहीं

- इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) ने संचालन के लिए एक-दो नहीं, बल्कि छह बार टेंडर जारी किए हैं।
- शुरुआती दो टेंडर में कोई कंपनी सामने नहीं आई।
- तीसरे टेंडर में एक कंपनी ने रुचि दिखाई, लेकिन पात्रता मानकों पर खरी नहीं उतरी।
- इसके बाद भी लगातार टेंडर जारी होते रहे, लेकिन अब तक कोई एजेंसी संचालन के लिए तैयार नहीं हुई।
- अब एक बार फिर छठी बार टेंडर जारी किया गया है।
- अंदर क्या-क्या है?

भोपाल की ताल के चौपाल से

बछड़े की मौत के लिए प्रायश्चित, तबादलों की बेचैनी और पीएचक्यू में उलझन

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्य प्रदेश के सत्ता गलियारों में इन दिनों फाइलों से ज्यादा चर्चाएं और किस्से गर्म हैं। आज के बोल हरि बोल में पढ़िए बछड़े की मौत का प्रायश्चित, आईएएस-आईपीएस तबादलों की अटकलें और पीएचक्यू की सुस्ती के बारे में विस्तार से... मध्यप्रदेश में सत्ता और प्रशासनिक गलियारों में इन दिनों फाइलों से ज्यादा चर्चाएं चल रही हैं। कहीं एक बछड़े की मौत ने अफसर को प्रायश्चित पर भेज दिया, तो कहीं तबादलों की लिस्ट तैयार होकर भी बड़े साहब की छुट्टी के चलते अटक गई है। उधर, पुलिस मुख्यालय का सिस्टम भी इन दिनों कुछ ऐसा उलझा हुआ है कि छोटे-छोटे फैसले भी लंबित हो रहे हैं। कुल मिलाकर सरकार के गलियारों में इन दिनों फाइलों से ज्यादा फुसफुसाहटें और कयासों का दौर चल रहा है। रंग में भंग पड़ रहा है।

बछड़े के लिए प्रायश्चित

सचिव पद पर बैठे एक साहब की शिफ्टिंग के दौरान ऐसा घटनाक्रम हुआ कि पूरा महकमा कुछ देर के लिए स्तब्ध रह गया। शिफ्टिंग के दौरान साहब का बछड़ा दुनिया छोड़ गया। खबर मिलते ही मैडम का पारा चढ़ गया और जिम्मेदारी संभाल रहे अफसरों के माथे पर पसीना आ गया। मामले की गंभीरता भांपते हुए संबंधित अफसर ने अनोखा रास्ता चुना। वे सीधे 21 दिन की छुट्टी पर निकल गए और संदेश भिजवा दिया कि सनातनी परंपरा के अनुसार बछड़े की मौत का प्रायश्चित करने के लिए पूजा-पाठ कर रहे हैं। बस फिर क्या था... जैसे ही अफसर ने नैतिक जिम्मेदारी ली, साहब और मैडम का गुस्सा भी ठंडा पड़ गया। उल्टा अधीनस्थ के प्रति स्नेह उमड़ आया कि देखो, हमारे बछड़े के लिए प्रायश्चित तक कर डाला। अब दफ्तर में चर्चा यही है कि बछड़े की मौत ने भले हलचल मचा दी, लेकिन अफसर की समझदारी ने मामला भी शांत कर दिया।

तबादलों के बादलों का इंतजार

होली के रंग उतर गए और रंगपंचमी भी गुजर गई, लेकिन तबादलों के बादल अब तक नहीं बरसे हैं। अंदरखाने की मानें तो आईएएस तबादलों की लिस्ट तैयार है, बस बड़े साहब के लौटने का इंतजार हो रहा है। पहले 5 तारीख को सूची आने की चर्चा थी, लेकिन ऐन वक्त पर बड़े साहब निजी कारणों से 11 तारीख तक अवकाश पर चले गए और मामला टल गया। उधर, आईपीएस तबादलों का हाल और दिलचस्प है। ना सूत का पता, ना कपास का... और जुलाहे में लट्ठमलट्ठा। फिर भी दावेदारों ने उम्मीद नहीं छोड़ी है। राजधानी में 'गणेश परिक्रमा' जारी है और हर कोई अपने समीकरण मजबूत करने में जुटा है। खबर है कि रामनवमी के बाद आईपीएस तबादलों के बादल भी बरस सकते हैं। फिलहाल सबसे ज्यादा बेचैनी उन आईएएस अफसरों में है जो कलेक्टर बनकर जाने या छोटे जिले से बड़े जिले की तरफ बढ़ने का सपना देख रहे हैं। डर यही है कि अगर लिस्ट ज्यादा लटक गई तो समीकरण ही न बदल जाएं।

पीएचक्यू का सिस्टम गड़बड़ाया

सरकार में हमेशा मजबूत माने जाने वाले पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) का सिस्टम इन दिनों कुछ गड़बड़ाया-सा नजर आ रहा है। सूत्र बताते हैं कि पीएचक्यू के बड़े अफसरों और सरकार के बीच संवाद पहले जैसा सहज नहीं रहा है। नतीजा यह है कि छोटी-छोटी बातें भी उलझने लगी हैं। मिसाल के तौर पर, बड़वानी जिले में एसपी के रिटायर होने के बाद करीब दो महीने तक जिला बिना एसपी के चलता रहा। न पीएचक्यू ने प्रस्ताव भेजा और न ही सरकार ने जल्दी दिखाई। ऐसे कई मामले हैं, जो सिस्टम की सुस्ती की कहानी कह रहे हैं। गलियारों में चुटकी ली जा रही है, जब सिस्टम ही साइलेंट मोड में हो, तो फैसले भी वेटिंग में ही रहते हैं। सूत्रों का कहना है कि सूबे के मुखिया भी इस स्थिति से खुश नहीं हैं। इसका संकेत उसी वक्त मिल गया था, जब कई आईपीएस अफसरों की सीआर डाउनग्रेड कर दी गई थी। अब अफसरशाही में सवाल गूंज रहा है कि पीएचक्यू की गाड़ी कब फिर रफ्तार पकड़ेगी?

जंगल महकमे में रस्साकसी

जंगल महकमे में एक पद के लिए खींचतान चल रही है। जी हां, पीसीसीएफ शुभरंजन सेन के वन बल प्रमुख बनने के बाद खाली हुए 'चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन' पद को लेकर रस्साकसी जारी है। एक हफ्ते बाद भी तय नहीं हो पाया है कि प्रदेश का अगला चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन कौन होगा। वन बल प्रमुख के बाद यह पद सबसे अहम माना जाता है, जिसके अधीन प्रदेश के 9 टाइगर रिजर्व, 13 नेशनल पार्क और 26 वाइल्ड लाइफ सेंचुरी आती हैं। इस पद के लिए दो महिला अफसर दावेदार हैं। अब देखना होगा कि किसे यह पद मिलेगा?

पिट गए विधायक जी!

सूबे की सियासत में इन दिनों एक कांग्रेस विधायक की पिटाई खूब चर्चा में है। अब आप गलत न समझिए, मामला किसी सियासी टकराव का नहीं, बल्कि होली की रंगीन परंपरा का है। हुआ यूं कि विधायक जी अपने विधानसभा क्षेत्र में आयोजित मशहूर 'लट्ठमार होली' कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंच गए। माहौल पहले से ही रंग, गुलाल और ठहाकों से सराबोर था। बस फिर क्या था, कार्यक्रम के बीच एक महिला ने परंपरा निभाते हुए विधायक जी की जमकर 'खातिरदारी' कर दी। लाठियां बरसनी शुरू हुईं और विधायक जी भी खुद को बचाने के लिए इधर-उधर होते नजर आए। आसपास मौजूद लोग यह नजारा देखकर ठहाके लगाते रहे। विधायक जी भी मुस्कुराते हुए इस रस्म का हिस्सा बनते दिखे। लट्ठमार होली की यही खासियत है; यहां रंग के साथ मजाक और हल्की-फुल्की 'पिटाई' भी परंपरा का हिस्सा मानी जाती है। लिहाजा विधायक जी ने भी खेलभावना के साथ इस रस्म को निभाया।

फिर एक्शन मोड में पंडितजी

प्रदेश की सियासत में इन दिनों एक पंडितजी फिर सुर्खियों में हैं। मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल की चर्चाओं के बीच उनके समर्थक पूरे जोश में दावा कर रहे हैं कि इस बार पंडितजी की फिर ताजपोशी तय है। समर्थकों का आत्मविश्वास ऐसा कि एक ने तो खुलकर कह दिया कि पंडितजी अपनी सीट ही नहीं, इलाके की किसी भी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ लें, जीत तो तय ही है, वो भी निर्विरोध। इधर, पंडितजी भी लगातार सुर्खियां बटोरने में पीछे नहीं हैं। हाल ही में वे बस की ड्राइविंग सीट पर नजर आए और स्टीयरिंग थामे सड़क पर बस दौड़ाते दिखे। मजेदार बात यह कि इस ड्राइविंग शो में उनके साहबजादे भी पीछे नहीं रहे; उन्होंने भी स्टीयरिंग संभाल ली। बस फिर क्या था, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वैसे इससे पहले भी पंडितजी अपने बंगले की कायापलट को लेकर चर्चा में रह चुके हैं। उन्होंने अपने बंगले के दरवाजे क्षेत्र के बीमार और जरूरतमंद लोगों के लिए खोल रखे हैं। अब सवाल यही है कि क्या इस बढ़ती सक्रियता का इनाम उन्हें सत्ता में कोई नई और बड़ी जिम्मेदारी दिलाएगा? सियासी गलियारों में इसी की चर्चा है।

ग्लूकोमा जागरूकता वॉक का भव्य, उत्सवमय आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विश्व ग्लूकोमा सप्ताह के पावन अवसर पर, इंदौर डिविजनल ऑफ्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी ने एक भव्य ग्लूकोमा जागरूकता वॉक का आयोजन किया, जो रविवार की प्रात: 8 बजे यशवंत क्लब से छप्पन दुकान तक सम्पन्न हुआ। इस अलौकिक आयोजन में सौ से अधिक नेत्र चिकित्सक, पीजी छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ नागरिकों ने दिल से भाग लिया, हर कदम में उत्साह और संकल्प की झलक थी। इस शुभ अवसर के मुख्य अतिथि कैलाश विजयवर्गीय ने स्वर्गीय आभा से भरपूर शब्दों में उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया, उन्होंने ग्लूकोमा सहित विश्व स्वास्थ्य संगठन की अन्य महत्वपूर्ण नेत्र संबंधी निष्कर्षों पर प्रकाश डाला। ग्लूकोमा के प्रख्यात विशेषज्ञ और सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. अमित पोरवाल ने अपनी बातों में ग्लूकोमा को 'दृष्टि का साइलेंट चोर' बताया, जिसने सबके मन में गहरी जागरूकता जगाई। उन्होंने बताया कि यह रोग चुपचाप दृष्टि चुराता है, और यदि समय पर उपचार न किया जाए, तो स्थायी अंधत्व का कारण बन सकता है। उन्होंने नियमित नेत्र परीक्षण और जागरूकता के महत्व को स्वर्णाक्षरों में लिखा।

संस्था अग्रमंच द्वारा शहर में उत्कृष्ट कार्य करने वाली नारी शक्ति का सम्मान किया गया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●अग्रवाल समाज की अग्रणी एवं सक्रिय संस्था अग्रमंच की महिला सदस्यों द्वारा अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भव्य आयोजन साउथ एवेन्यू होटल, इन्दौर में किया गया। जानकारी देते हुए संस्थापक दीपिका गोयल ने बताया कि, संस्था द्वारा प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी महिला दिवस पर श्रीमती आशा विजयवर्गीय, मुग्धा जी शुक्ला, सुजाता जी मिश्रा ,पूजा पाटीदार ,अर्पिता बिंदल, अनू गोयल एवम अंजू अग्रवाल द्वारा किरण जी मुरारका , शैलजाजी मिश्रा , डॉ श्वेता गुप्ता, श्रेष्ठा गोयल ,डा पारूल अग्रवाल ,डॉ अदिति गोयल, डॉ सीमा अलावा, पूर्णिमा चव्हाण, श्रीमती कविता रोडे, कीर्ति जायसवाल आदि शिक्षाविद राजनैतिक, प्रशासनिक, समाजसेवा, चिकित्सा, शिक्षा एवं खेल आदि क्षेत्रों में अपना उल्लेखनीय योगदान देने वाली शहर की महिलाओं का सम्मान किया गया। दीपिका गोयल ने बताया कि नारी तू नारायणी वाक्य को आत्मसात करते हुए जिस प्रकार एक महिला अपने चारों तरफ की कठिनाईयों को झेलते हुए परिवार को संभालती है तथा इन सबके बावजूद भी वह शहर एवं देश की प्रगति में अपना अमूल्य योगदान देती है तो उसको सम्मान देना भी गर्व का विषय है, जिसका एक छोटा सा प्रयास संस्था द्वारा किया जा रहा है । कार्यक्रम का संचालक रिशिता मित्तल (मोटिवेशनल स्पीकर) द्वारा किया गया। आभार एश्वर्या गोयल ने माना।

राजीव विकास के द्वारा शहर के सभी विधानसभाओं के 24 ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति घोषणा की गई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ने बताया है कि मप्र राजीव विकास केंद्र संगठन को सशक्त बनाने के लिए एवं कांग्रेस पार्टी की मजबूती मैदानी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी की पहल पर संगठन सज्न अभियान चलाकर मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र द्वारा पहली बार इंदौर के सभी विधानसभाओं के 24 ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा की गई है जो कि मैदानी स्तर पर यह सभी अध्यक्षों की भूमिका नगर निगम चुनाव विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव में सबसे महत्वपूर्ण मैदानी स्तर पर महत्वपूर्ण रहने वाली है यह ब्लॉक अध्यक्षों की भूमिका भाजपा से मुकाबला करने के लिए अपनी टीम के साथ वार्ड स्तर से लेकर बूथ स्तर तक सक्रिय भूमिका निभाई की सभी ब्लॉक अध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि वह शीघ्र ही अपनी टीम एवं कार्यकरणी की टीम बनाएं और मैदानी स्तर पर कांग्रेस पार्टी से सभी जमीनी मैदानी स्तर के कार्यकर्ताओं को जोड़ें सभी ब्लॉक अध्यक्ष मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी जी शहर कांग्रेस के अध्यक्ष चिंटू चौकसे जिला कांग्रेस के अध्यक्ष श्री विपिन वानखेड़े एवं सभी विधानसभाओं के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में कार्य करेंगे।

भोजपुरिया वेलफेयर सोसाइटी का होली मिलन समारोह संपन्न हुआ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भोजपुरिया वेलफेयर सोसाइटी का होली मिलन समारोह आज मिस्टी मैरिज गार्डन इंदौर उज्जैन रोड बरौली पर संपन्न हुआ इसमें भोजपुरिया समाज के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और भोजपुरिया गायिका द्वारा भोजपुरी गीतों की शानदार प्रस्तुति दी गई कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रितेश बंटी ठाकुर राजेंद्र यादव भगवान सिंह यादव अमन यादव लाल यादव वह सभी भोजपुरिया समाज के लोगों का भोजपुरिया समाज के अध्यक्ष बटेश्वर नाथ सिंह द्वारा स्वागत किया गया इसमें मुख्य रूप से मीडिया प्रभारी सुरेश सूरजवानी का स्वागत भोजपुरिया समाज के अध्यक्ष बटेश्वर नाथ सिंह द्वारा किया गया कार्यक्रम के पश्चात भोजन प्रसादी का आयोजन भी किया गया इस अवसर पर मुख्य रूप से भोजपुरिया समाज के अध्यक्ष बटेश्वर नाथ सिंह विनोद सिंह आलोक सिंह गुड्डु राकेश पवार निर्मल मिश्रा शशि मिश्रा उत्तर भारतीय पीथमपुर के अध्यक्ष जितेश मिश्रा आदि भोजपुरिया समाज के लोग उपस्थित थे।

कलश यात्रा के साथ आज से सात दिवसीय शिवपुराण कथा का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खत्री सभा इंदौर, महिला मंच द्वारा सोमवार 9 मार्च से रविवार 15 मार्च तक श्रीनगर मेन गार्डन पर प्रख्यात आचार्य पं. विष्णु दत्त शर्मा महर्षि के श्रीमुख से शिवपुराण कथा महोत्सव का दिव्य आयोजन होगा। महिला मंच की प्रमुख श्रीमती रीता टंडन ने बताया कि कथा प्रतिदिन होगी। शुभारंभ बीमा नगर स्थित गोपाल मंदिर से कलश यात्रा के साथ होगी जो आसपास के क्षेत्र में परिभ्रमण के बाद कथा स्थल श्रीनगर मेन गार्डन पहुंचेगी।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

जंग की आंच बाजार तक, तेल संकट, गिरते शेयर और महंगाई के नए मोर्चे

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद जिस बात का डर था, उसकी शुरुआत अब हो चुकी है। यानी जो देश इस जंग में शामिल नहीं हैं, उन तक भी इसकी आंच पहुंचनी शुरू हो चुकी है। जब दो या अधिक देशों के बीच युद्ध का मोर्चा खुलता है, तो उसका असर सिर्फ इस रूप में सामने नहीं आता कि एक-दूसरे पर किए गए हमले के नतीजे में जानमाल की व्यापक क्षति होती है। बल्कि जंग के लंबा खिंचने पर कई स्तरों पर जरूरी सामग्री की आपूर्ति बाधित होती है और नतीजतन बाजार में लगभग सभी चीजों की कीमतें तेजी से बढ़ने लगती हैं। ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद जिस बात का डर था, उसकी शुरुआत अब हो चुकी है। यानी जो देश इस जंग में शामिल नहीं हैं, उन तक भी इसकी आंच पहुंचनी शुरू हो चुकी है। हाल ही में भारत के शेयर बाजार पर भी इसका असर देखा गया, जहां बड़ी गिरावट की वजह से निवेशकों को लगभग उन्नीस लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। चूंकि युद्ध की तीव्रता में फिलहाल कोई नरमी नहीं देखी जा रही है, इसलिए यह स्थिति अभी कायम रहने की आशंका है। मगर इससे इतर अब युद्ध का असर देश के आम लोगों के घर के दरवाजे तक पहुंचना शुरू हो चुका है। मसलन, रसोई गैस की कीमत में साठ रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई है। कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने की वजह से भारत सहित अन्य कई देशों को नए रास्तों की ओर देखना पड़ रहा है। इस बीच कच्चे तेल की कीमतों के सौ डालर प्रति बैरल तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि बाजार के इस रुख का असर कहां तक जा सकता है और अगर युद्ध लंबा खिंचा, तो वैसे देशों में कैसी मुश्किल पैदा होगी, जहां की अर्थव्यवस्था और जीवनयापन का एक बड़ा हिस्सा बाहर से आपूर्ति पर निर्भर है। इजरायली हमले के बाद प्रतिक्रिया में ईरान ने जो रुख अख्तियार किया है, उससे पहले ही कई मुख्य तेल उत्पादक देशों में असुरक्षा का माहौल है। फिर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के रास्ते को ईरान ने जिस तरह बाधित कर दिया है, उससे दुनिया के एक बड़े हिस्से में तेल की आपूर्ति प्रभावित होगी। होर्मुज की नाकाबंदी की वजह से उस इलाके में फंसे जहाजों को लंबा रास्ता तय करना होगा। भारत के सामने ही स्थिति यह है कि इसके पास अगले छह से आठ हफ्ते का तेल भंडार है। स्वाभाविक ही भारत को अब तेल के लिए अन्य वैकल्पिक स्रोतों की ओर देखना होगा।

नेपाल को किस तरफ ले जायेगा नया नेतृत्व

राजधरानों, कम्युनिस्टों और पारंपरिक राजनीतिक पार्टियों के आस-पास घूमने वाली सरकार अब एक युवा नेता बालेन शाह के हाथों में जा रही है। काठमांडू के मेयर के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाले बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी यानी RSP आम चुनाव परिणाम में भारी बढ़त के साथ नेपाल की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत कर रही है। अब तक प्राप्त समाचारों के अनुसार 275 सदस्यीय संसद के लिए हुए चुनाव में प्रत्यक्ष मतदान वाली 165 सीटों की गिनती में आरएसपी ने जबरदस्त बढ़त हासिल कर ली है। शुक्रवार देर रात तक पार्टी लगभग 115 सीटों पर आगे चल रही थी। इस स्थिति को देखते हुए माना जा रहा है कि बालेन शाह का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय हो गया है। यदि यही रुझान अंतिम परिणामों में बदलते हैं तो यह नेपाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक बदलाव होगा।

बताया जाता है कि Gen-Z प्रदर्शन, करप्शन के खिलाफ गुस्सा और सोशल मीडिया की ताकत ने नेपाल में एंटी-इनकम्बेंसी को जन्म दिया। लेकिन नए नेता बालेन शाह ने देश की सत्ता में शीर्ष तक पहुंचने की यह यात्रा इतनी तेजी से कैसे तय की पुराने नेता क्यों चूक गए? और सबसे बड़ा सवाल इस नई, युवा और मुखर लीडरशिप के आने से भारत-नेपाल संबंधों पर क्या असर पड़ेगा? इन तमाम ज्वलंत मुद्दों और नेपाल की सियासत के बदलते समीकरणों को समझने के लिए मीडिया ने साउथ एशिया मामलों के एक्सपर्ट से बात की, जिसमें उन्होंने बेहद तार्किक ढंग से समझाया है कि नेपाल की सत्ता में कोई भी आए, लेकिन अर्थव्यवस्था और रेमिटेंस जैसी जरूरतों के चलते वह चाहकर भी भारत के रोल को नजरअंदाज नहीं कर सकता।

समाचारों के अनुसार बालेन शाह का उभरना और आज की जो कंटेंपरेरी वर्ल्ड पॉलिटिक्स है, जिसमें हम कहते हैं कि टेक्नोलॉजी का रेवोल्यूशन बहुत तगड़ा रोल प्ले करता है; तो बालेन शाह की पूरी कैरेक्टरिस्टिक्स वैसी ही हैं। अभी वो सिर्फ 35 साल के हैं, लेकिन पब्लिक लाइफ में उनका आना 2013 में हुआ था, जब उन्होंने अपना रैप किया था। वैसे तो बहुत लोग रैप करते हैं, लेकिन रैप की जो अपनी हिस्ट्री है कि रैप इसी ट्रेडिशन में आया ही था कि मेनस्ट्रीम के अगेंस्ट जाकर करप्शन और बाकी सारी चीजों के खिलाफ आवाज उठाई जाए।

नेपाल में इस चुनावी उलटफेर के पीछे तीन प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं भ्रष्टाचार और

राजनीतिक अस्थिरता से जनता की नाराजगी, युवा मतदाताओं का पुराने नेताओं से मोहभंग और बालेन शाह द्वारा नई राजनीति और बदलाव का वादा। नेपाल में कुल लगभग 1 करोड़ 89 लाख मतदाता हैं और 275 सीटों के लिए मतदान हुआ है। प्रत्यक्ष मतदान की 165 सीटों में आरएसपी को दो-तिहाई बहुमत मिलता दिखाई दे रहा है। इसके अलावा समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली की 110 सीटों की गिनती अभी जारी है। रुझानों के आधार पर माना जा रहा है कि आरएसपी को वहां भी 50 से अधिक सीटें मिल सकती हैं। अगर ऐसा होता है तो नेपाल के इतिहास में करीब 36 साल बाद किसी एक पार्टी को पूर्ण बहुमत ही नहीं बल्कि प्रचंड बहुमत भी मिलेगा। इससे देश में राजनीतिक स्थिरता की उम्मीद बढ़ी है और नई सरकार से लोगों की अपेक्षाएं भी काफी ज्यादा हो गई हैं।

गौरतलब है कि नेपाली राजनीति में राजघराने का एक इम्पैक्ट रहता है। लेकिन अगर हम आइडियोलॉजी वाइज देखें, तो जो सेंट्रिस्ट पार्टियां हैं, जैसे नेपाली कांग्रेस है, उनका एक धड़ा मतलब एक तरह से ऐसी पार्टी है जो सेंट्रिस्ट पार्टी कहलाती है, जिनकी लिबरल पॉलिसीज के बारे में हम समझते हैं। दूसरी तरफ, माओवादी और कम्युनिस्ट पार्टियां मिलकर हैं, जिन्हें ओली या प्रचंड लीड करते हैं। तो नेपाल में एक तरफ हमारे पास ऐसी पार्टियां थीं जिन्हें आप जनरलाइज करने के लिए वामपंथी कह लें, और दूसरी तरफ सेंट्रिस्ट-राइट पार्टियां थीं।

उन्होंने कहा, 'अब बालेन शाह की जो पार्टी है, RSP, वह भी एक सेंट्रिस्ट पार्टी है। तो इसका मतलब ये है कि वे नेशनलिस्ट होंगे, लेकिन ग्लोबलाइजेशन के साथ जाएंगे और लिबरल पॉलिसीज के साथ जाएंगे। इसका मतलब ये भी है कि वे फॉरेन पॉलिसी में कोऑपरेशन और कम्पटीशन को जरूर प्रेफर करेंगे। तो जैसे नेपाली कांग्रेस के समय पर अमूमन चीजें रहती हैं, मैं ऐसा समझता हूं कि चुनाव जीतकर अगर ऋस्क पार्टी सत्ता में आती है, या अगर गठबंधन भी होता है, तो भी लीडरशिप उनकी ही होनी चाहिए। मेरे ख्याल से बाकी सारी चीजों में उनकी लिबरल पॉलिसीज ही होंगी।' एक्सपर्ट कहते है कि दिल्ली में जब आम आदमी पार्टी पहली या दूसरी बार सरकार में आई थी, तो जिस तरह का रिटोरिक चलता था और जैसा सोशल मीडिया-पब्लिक सपोर्ट था यानी एक नए तरह की राजनीति करने की जो कोशिश थी, वह बालेन शाह के साथ भी जरूर जाएगी।

एक्सपर्ट के अनुसार , 'नेपाल की राजनीति में अगर आप पिछले 11-15 साल में देखें तो करीब 13-14 से ज्यादा सरकारें आ चुकी हैं। और जब GenZ प्रोटेस्ट हुआ, तो उस प्रोटेस्ट की वजह से जो सरकार गिरी, वह एक तरह से चुनी हुई सरकार थी; उसके पास भारी मेजॉरिटी थी। वह एक गठबंधन सरकार थी। वहां वामपंथी सरकार को नेपाली कांग्रेस का सपोर्ट भी था। फिर करप्शन का पूरा मुद्दा बनाया गया और सोशल मीडिया पर बैन जैसी चीजें भी हुईं।'

किसी भी देश में, और हम नेपाल की बात तो करेंगे ही, वहां भी यूथ का जो रोल है, खासकर आज का इंटरकनेक्टेड यूथ, जो सिर्फ अपने देश तक सीमित नहीं रहता बल्कि सोशल मीडिया की वजह से पूरी दुनिया से कनेक्ट होता है। दुनिया में क्या चल रहा है और आगे क्या आकांक्षाएं हैं, उनके साथ यूथ बहुत कनेक्ट होता है; उसकी अपनी भी एस्पिरेशन्स होती हैं।'

एक्सपर्ट बोले कि मुझे ऐसा लगता है कि बालेन शाह की उम्र, उनका काम और उनका बैकग्राउंड यूथ को बहुत अपील करता है, और जेन-जी प्रोटेस्ट के बाद से तो उनका रोल बहुत ही इंपॉर्टेंट हो गया है। अगर बालेन शाह आगे बढ़कर पीएम बनते हैं, जैसा कि लग रहा है कि ऐसा हो सकता है, तो दुनिया में इसके और भी एग्जांपल हैं। जैसे जेलेंस्की हैं और एक-दो लोग और भी हैं, जिन्होंने अच्छे और इम्पैक्टफुल काम किए भी हैं।

एक्सपर्ट के कहने के अनुसार 'राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी' एक सेंट्रिस्ट पार्टी है। इसलिए उन्हें भारत सरकार के साथ अपने संबंध अच्छे रखने ही होंगे। हालांकि, वे अपनी डिमांड्स को लेकर बहुत स्पष्ट और तेज होंगे, जिस पर हमें ध्यान देना पड़ेगा। लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि भारत-नेपाल की जो जियोपॉलिटिकल सिचुएशन है, उसमें नेपाल में किसी की भी सरकार हो, वह भारत को इग्नोर नहीं कर सकती।

उनके अनुसार 'इसमें मैं दो चीजें हाईलाइट करने लायक है । एक तो नेपाल में बहुत तगड़ा रेमिटेंस आता है। और उस रेमिटेंस का मुख्य सोर्स वेस्ट एशिया में काम करने वाले नेपाली लोग हैं, वहां से एक तगड़ा रेमिटेंस आता है। तो वेस्ट एशिया में जो कुछ भी हो रहा है, वहां नेपाल को भारत की विदेश नीति के साथ बहुत कोऑर्डिनेट करके चलना पड़ेगा।'

एक्सपर्ट ने आगे कहते है कि दूसरे अगर नेपाल की इकोनॉमी के हिसाब से सोचें, तो उनका जो हाइड्रो पावर सेक्टर है, चाहे उसके डेवलपमेंट की बात हो या हाइड्रो पावर के लिए मार्केट खोजने की बात हो, दोनों ही मामलों में उनको भारत की भूमिका लेनी पड़ेगी। इसलिए मुझे लगता है कि जब एक एस्पिरेशनल नेशन किसी यूथ लीडर के साथ आगे बढ़ेगा, तो वह अपनी इकोनॉमी को इग्नोर नहीं कर पाएगा। और जब बात इकोनॉमी की आती है, तो नेपाल को भारत के साथ चलना ही पड़ेगा।'

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

मुक्तिधाम में सुधार की मांग, बाउंड्रीवॉल, शेड, ट्यूबवेल सहित सुविधाओं की आश्वासन पर जोर

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● जिले के बिस्टान स्थित इंद्रावती नदी किनारे बने मुक्तिधाम के सर्वांगीण विकास की मांग की गई है। भावसार समाज ने अंत्येष्टि के दौरान आने वाली परेशानियों को देखते हुए यह मांग उठाई थी। नगर परिषद ने 45 दिनों के भीतर मुक्तिधाम में सुधार कार्य पूरा करने का आश्वासन दिया है। समाजजनों ने मुक्तिधाम में बाउंड्रीवॉल, छाया के लिए शेड, जल अंजली स्थल का निर्माण, पौधारोपण, पेयजल और स्नान के लिए ट्यूबवेल व टंकी, शिवालय निर्माण और समुचित बैठक व्यवस्था जैसी सुविधाओं की आवश्यकता बताई है। यह मुद्दा हाल ही में रामकृष्ण भावसार के निधन के बाद उनकी अंत्येष्टि के समय हुई शोकसभा में उठा था। उस दौरान मुक्तिधाम की समस्याओं पर चिंता व्यक्त की गई थी। इसके बाद नगर परिषद द्वारा झाड़ियों की सफाई कराई गई थी।अब गायत्री मंदिर परिसर में आयोजित पगड़ी कार्यक्रम के दौरान भावसार क्षत्रिय समाज ने नगर परिषद अध्यक्ष और सीएमओ के नाम मुक्तिधाम में सुविधाओं की मांग को लेकर एक औपचारिक पत्र तैयार किया। समाज के अध्यक्ष अनिल

भावसार ने बताया कि उन्होंने नगर परिषद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि मुकेश राठौर और लोक निर्माण समिति सभापति प्रहलादसिंह वास्कले को समस्याओं से अवगत कराया। दोनों प्रतिनिधियों ने आश्वासन दिया कि नगर परिषद मुक्तिधाम के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 30 प्रतिशत प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और 45 दिन में काम पूरा करने का भरोसा दिया गया है। समाजजनों ने यह भी तय किया है कि इस मांग पत्र को मुख्यमंत्री, नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री और खरगोन कलेक्टर को भी भेजा जाएगा। इस दौरान गुलाबचंद भावसार, प्रकाश भावसार, राजेश मालवीया, दिनेश भावसार, भाजपा नगर अध्यक्ष मांगीलाल राठौर, विजय भावसार, नरेंद्र भावसार सहित 500 से अधिक समाजजन उपस्थित रहे।

इंस्टाग्राम पोस्ट के विरोध में थाने पर हंगामा 3 गिरफ्तार; पुलिस ने जुलूस निकाला

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● शहर के मोघटरोड थाना परिसर में गुरुवार शाम इंस्टाग्राम पर पैगंबर मोहम्मद के संबंध में आपत्तिजनक पोस्ट वायरल होने के विरोध में पहुंचे लोगों ने हंगामा कर दिया। पुलिस के अनुसार भीड़ ने नारेबाजी करते हुए थाना परिसर के बाहर से पथराव कर दिया और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई। मामले में पुलिस ने 22 नामजद आरोपियों सहित अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक 5 मार्च की शाम करीब 7 बजे मुजाहिद कुरैशी अपने साथ 30-40 लोगों के साथ मोघटरोड थाने पहुंचे थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पैगंबर मोहम्मद के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले व्यक्ति के खिलाफ शिकायत की। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया। इसके बाद शिकायतकर्ता और उसके साथ आए लोगों ने नारेबाजी शुरू कर दी और आरोपी को तुरंत

गिरफ्तार करने, उसका घर तोड़ने और फांसी देने की मांग करने लगे। थाना प्रभारी ने कानून के अनुसार, लोगों को कार्रवाई का आश्वासन दिया, लेकिन भीड़ शांत नहीं हुई। पुलिस के अनुसार इसके बाद भीड़ ने सड़क से थाना परिसर की ओर पथराव शुरू कर दिया, जिससे शासकीय कार्य में बाधा आई और पुलिस बल को भी चोटें आईं। इस मामले में सुहेल सहित 22 नामजद और अन्य के खिलाफ धारा 121(1), 125, 126(2), 132, 190 और 190(3) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले में मुजाहिद कुरैशी (38) निवासी सिंघाड़ तलाई, अजहर खान (38) निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी नागचून रोड और मुदस्सर शेख निवासी सिंघाड़ तलाई को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। यहां से तीनों को जिला जेल भेज दिया गया। इससे पहले थाना क्षेत्र में उनका जुलूस निकाला गया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही हैं।

पुलिस इन्वेस्टिगेशन होगा डिजिटल अधिकारियों को मिला टैबलेट

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ●पुलिस इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर्स के लिए एक दिवसीय ई-विवेचना प्रशिक्षण कार्यशाला शनिवार को आयोजित की गई। इस कार्यशाला में विवेचना अधिकारियों को बताया गया कि अब वे क्राइम स्पॉट पर टेबलेट लेकर पहुंचेंगे और सारी विवेचना ऑनलाइन दर्ज करेंगे। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार के निर्देश पर आयोजित इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पुलिस इन्वेस्टिगेशन को आधुनिक तकनीक से अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाना है। जिले के सभी विवेचकों को पुलिस विभाग द्वारा टेबलेट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कार्यशाला में सीसीटीएनएस विशेषज्ञ प्रधान आरक्षक नीरज सैनी और आरक्षक विनोद सांवले ने विवेचना को डिजिटल और पारदर्शी बनाने की विस्तृत जानकारी दी। इन टेबलेट्स के माध्यम से ई-विवेचना ऐप और अन्य पुलिसिंग ऐप का उपयोग मैदानी स्तर पर इन्वेस्टिगेशन के दौरान किया जाएगा। इन ऐप्स के जरिए केस डायरी लेखन, अपराध विवरण प्रपत्र, संपत्ति जब्त फॉर्म, गिरफ्तारी फॉर्म, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, पीएम फॉर्म और कथन जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां तुरंत भरी जा सकेंगी। प्रशिक्षण में ई-विवेचना प्रणाली के माध्यम से जांच की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन दर्ज करने के तरीके बताए गए। विवेचकों को सीसीटीएनएस पोर्टल पर एफआईआर से लेकर विवेचना पूरी होने तक की जानकारी, केस डायरी, बयान, पंचनामा और दस्तावेजों का डिजिटल रूप से संग्रहण करने के बारे में भी अवगत कराया गया।

भड़काऊ पोस्ट पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी, सोशल मीडिया का करें जिम्मेदारी से उपयोग-एसपी

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● पुलिस ने सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को भड़काऊ, अपमानजनक और धार्मिक या जातिगत भावनाओं को आहत करने वाली सामग्री प्रसारित न करने की चेतावनी दी है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) देवेंद्र पाटीदार ने कहा कि ऐसी पोस्ट समाज में तनाव और अशांति का कारण बन सकती हैं। एसपी पाटीदार ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्टों को न तो शेयर करें, न लाइक करें और न ही फॉरवर्ड करें। उन्होंने धार्मिक और जातिगत भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री से पूरी तरह बचने तथा सोशल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारीपूर्वक करने और समाज में शांति बनाए रखने में सहयोग देने की अपील की। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि उक्त प्रकार की गतिविधियों को अंजाम देने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट) के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की सोशल मीडिया सेल लगातार ऐसे भड़काऊ और आपत्तिजनक पोस्टों पर नजर रख रही है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक थाना स्तर पर सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल के माध्यम से क्षेत्र में ऑनलाइन गतिविधियों पर सतत निगरानी की जा रही है। यदि किसी नागरिक के संज्ञान में ऐसी कोई पोस्ट या गतिविधि आती है, तो उसे तुरंत नजदीकी थाना में स्थापित साइबर हेल्प डेस्क एवं साइबर सेल को सूचित करने की सलाह दी गई है।

90 साल की महिला से गैंगरेप कुएं में फेंकने की कोशिश

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● जिले के पुनासा में चार नकाबपोश बदमाशों ने 90 साल की महिला के साथ गैंगरेप किया। पीड़िता एक खेत में बने घर में रह रही थी। इस घटना में आरोपियों ने बुजुर्ग के साथ काफी बेरहमी की। उसके प्राइवेट पार्ट में गंभीर चोटें आई हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाशों ने महिला को खटिया समेत कुएं में फेंककर मारने की कोशिश की। लोगों की आहट सुनकर वे उसे खेत में ही छोड़कर भाग निकले। पीड़िता पूरी रात करीब 12 घंटे तक गंभीर हालत में तड़पती रही। गुरुवार सुबह जब ग्रामीण खेत पर पहुंचे, तब उन्हें वारदात का पता चला।

जानकारी के अनुसार बुजुर्ग महिला अपने खेत में बने घर में अकेली रहती है। वह रोज की तरह खाना खाकर सो गई थी। रात के समय आसपास कोई नहीं था और इसी का फायदा उठाकर 4 बदमाश उसके घर में घुस गए। पीड़िता ने बताया कि चारों ने अपने चेहरे पर कपड़ा बांध रखा था। वे सीधे उसके पास पहुंचे और उसे पकड़ लिया। बुजुर्ग के अनुसार चारों ने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया।

पीड़िता ने बताया कि जब उसने विरोध करने की कोशिश की तो आरोपियों ने उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। इसके बाद उसके हाथ-पैर पकड़कर उसके साथ दरिंदगी की। वह अपनी उम्र और कमजोरी के कारण उनका विरोध भी नहीं कर सकी। वारदात के बाद आरोपियों ने आपस में कहा कि 'अब बुढ़िया को कुएं में फेंक देते हैं।' इसके बाद चारों ने खटिया समेत बुजुर्ग को उठाया और उसे कुएं की ओर ले जाने लगे। उसी दौरान आसपास किसी वाहन या लोगों की आवाज सुनाई दी और वे भाग निकले। इसके बाद पीड़िता बेहोश हो गई और पूरी रात वहीं पड़ी रही। गुरुवार सुबह जब कुछ लोग भूसा खरीदने के लिए खेत पर पहुंचे तो उन्होंने झोपड़ी के बाहर खटिया पर उसे खून से लथपथ हालत में पड़े हुए देखा। हालत देखकर लोग घबरा गए। उन्होंने फौरन पुलिस और महिला की बेटी को जानकारी दी।

जिला स्तरीय पैरा फेंसिंग स्पर्धा में हुनर दिखाएंगे इंदौर के जांबाज; समृद्धि, अलफैज और वंदन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खेल प्रतिभा किसी भी बाधा की मोहताज नहीं होती, इसे सच कर दिखाया है ऊर्जस्विनी स्पेशल स्कूल के तीन बच्चों ने। इन्दौर फेंसिंग स्पोर्ट्स डेवलपमेंट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित होने वाली जिला स्तरीय पैरा फेंसिंग प्रतियोगिता के लिए समृद्धि कुमार, अलफैज मुग़ल और वंदन चावला का चयन किया गया है। ये तीनों खिलाड़ी प्रतियोगिता के रोमांचक 'फॉइल इवेंट' में अपनी तलवारबाजी का कौशल दिखाएंगे।

इन खिलाड़ियों की इस उपलब्धि के पीछे सेल्फ डिफेंस एक्सपर्ट और फेंसिंग कोच मास्टर सईद आलम का कठोर प्रशिक्षण और मार्गदर्शन है। पिछले लंबे समय से मास्टर आलम इन बच्चों को खेल की बारीकियां सिखा रहे हैं। उनके सानिध्य में खिलाड़ियों ने न केवल तकनीक सीखी, बल्कि अनुशासन और मानसिक दृढ़ता का भी परिचय दिया है।

इस अवसर पर मास्टर सईद आलम ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा: पैरा फेंसिंग के खिलाड़ी अपनी इच्छाशक्ति और साहस में किसी भी सामान्य खिलाड़ी से कम नहीं हैं। उनकी मेहनत और आत्मविश्वास हम सभी के लिए एक मिसाल है। यदि इन्हें सही मंच और उचित प्रशिक्षण मिले, तो ये बच्चे न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी इंदौर का गौरव बढ़ाएंगे। खिलाड़ियों की इस सफलता पर ऊर्जस्विनी स्पेशल स्कूल की डायरेक्टर डॉ. विनी झारिया ने हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. झारिया ने समाज से अपील करते हुए कहा कि ऐसे खिलाड़ियों को मुख्यधारा में लाने के लिए सामाजिक सहयोग अत्यंत आवश्यक है। संस्था इन बच्चों के सर्वांगीण विकास और उन्हें खेल जगत में आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

फिल्म 'पैन इंडिया' में नजर आएंगी में संयुक्ता

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री संयुक्ता एक और बड़े प्रोजेक्ट के साथ चर्चा में हैं। निर्देशक पूरी जगन्नाध की अपकमिंग पैन इंडिया फिल्म में दिग्गज अभिनेत्री तब्बू और बहुमुखी एक्टर विजय सेतुपति के साथ संयुक्ता स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। इस मेगा प्रोजेक्ट को लेकर उद्योग में पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है। बड़े पैमाने पर तैयार की गई इस फिल्म में विजय सेतुपति लीड रोल निभा रहे हैं, वहीं संयुक्ता फीमेल लीड के रूप में नजर आएंगी। तब्बू एक इंटेंस और बेहद महत्वपूर्ण किरदार में दिखाई देंगी, जिसकी इंडस्ट्री में खास चर्चा है। फिल्म का निर्माण निर्माता चार्ममे कौर और पूरी जगन्नाध ने अपने बैनर पुरी कनेक्ट के तहत किया है। शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसे तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज़ किया जाएगा। संयुक्ता ने तब्बू के साथ काम करने के अनुभव को यादगार बताया। उन्होंने कहा कि तब्बू सेट पर जिस ऊर्जा और सहजता के साथ आती हैं, वह अद्भुत है। संयुक्ता ने तब्बू की पसंदीदा फ़िल्म कंडुकोंडियन का ज़िक्र करते हुए कहा कि उस फिल्म में उनका काम असाधारण था और आज भी उनकी वही ग्रेस बरकरार है।

अगरकर ने कठिन फैसलों से बदली भारतीय टीम की दिशा

अहमदाबाद (एजेंसी) ● अजीत आगरकर जब भारत की सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष बने, तब परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण थीं। उन्हें यह जिम्मेदारी चेतन शर्मा की जगह दी गई थी, जिन्हें एक टीवी स्टिंग ऑपरेशन के बाद पद से हटना पड़ा था। अगरकर के तीन साल के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिन्हें उस समय साहसिक माना गया, लेकिन बाद में उनके सकारात्मक परिणाम सामने आए। क्रिकेट में चयनकर्ता की भूमिका अक्सर विकेटकीपर जैसी मानी जाती है। अच्छे फैसलों पर भले ही कम सराहना मिले, लेकिन एक गलती पर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ती है। अगरकर के कार्यकाल में भी यही स्थिति देखने को मिली। वर्ष 2020-21 में जब चयन समिति के अध्यक्ष का पद खाली हुआ था, तब अगरकर ने भी आवेदन किया था, लेकिन उस समय चेतन शर्मा को यह जिम्मेदारी मिली। बाद में 2023 में अगरकर को यह पद सौंपा गया और इसके बाद वह अपने फैसलों के कारण लगातार चर्चा में रहे। भारत की चयन समितियों के इतिहास में दिलीप वेंगसरकर और कृष्णाचारी श्रीकांत के बाद अगरकर का कार्यकाल भी काफी प्रभावशाली माना जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में भारतीय टीम ने आईसीसी के चार बड़े टूर्नामेंट 2023 आईसीसी वर्ल्डकप, 2024 आईसीसी मेंस टी20 विश्वकप, 2025 आईसीसी चैम्पियनशिप ट्राफी और 2026 आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बनाई है।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने जीत के साथ हीली को दी यादगार विदायी

पर्थ (एजेंसी) ● भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां गुलाबी गेंद से हुए दिन-रात के एकमात्र टेस्ट मैच में 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में बड़ी जीत के साथ ही मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कप्तान एलिसा हीली को यादगार विदायी दी है। इस मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाली एनेबेल सदरलैंड को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब मिला। इस मैच में मेजबान टीम हावी रही। भारतीय टीम के लिए केवल राहत की इतनी ही बात रही कि वह फॉलो-ऑन बचाने में सफल रही पर दूसरी पारी में अधिक रन नहीं बना पायी जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 25 रन का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

सोनम बाजवा ने दी जी सिने अवॉर्ड्स में शानदार प्रस्तुति

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री सोनम बाजवा ने पहली बार जी सिने अवॉर्ड्स 2026 के मंच पर लाइव परफॉर्मेंस दी। इस खास मौके को लेकर उन्होंने अपने अनुभव और भावनाओं के बारे में खुलकर बात की। जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में सोनम बाजवा ने अपनी फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' के लोकप्रिय गानों 'बोल कफ्फारा क्या होगा' और 'दिल दिल दिल' पर शानदार डांस प्रस्तुत किया। उनकी दमदार एनर्जी, आत्मविश्वास और बेहतरीन एक्सप्रेशन ने वहां मौजूद दर्शकों को काफी प्रभावित किया। उनकी परफॉर्मेंस के दौरान पूरा माहौल उत्साह से भर गया और दर्शकों ने तालियों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। सोनम की प्रस्तुति ने समारोह में मौजूद लोगों को खूब आनंदित किया। इस अनुभव को याद करते हुए सोनम बाजवा ने कहा कि वह पहले भी कई लाइव शो कर चुकी हैं, लेकिन किसी अवॉर्ड नाइट में प्रस्तुति देना उनके लिए बिल्कुल अलग और खास अनुभव था। उन्होंने बताया कि बचपन में वह अक्सर टीवी पर अवॉर्ड समारोह देखा करती थीं और मन ही मन सोचती थीं कि एक दिन वह भी ऐसे ही किसी बड़े मंच पर खड़ी होंगी।

उज्जैन संभाग

जनसुविधा केंद्र तोड़ने का विरोध, भाजपा पार्षद और महिलाओं ने फूंका अधिकारी का पुतला

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन में जनसुविधा केंद्र तोड़े जाने के मामले में विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वार्ड 33 की भाजपा पार्षद लीला वर्मा और स्थानीय महिलाओं ने अधिकारी प्रदीप सेन का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों ने चप्पलों से पुतले की पिटाई कर कार्रवाई की मांग की। यह विरोध प्रदर्शन हरसिद्धि मंदिर के सामने उसी स्थान पर किया गया, जहां जनसुविधा केंद्र को जेसीबी से तोड़ा गया था। महिलाओं ने अधिकारी प्रदीप सेन के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर पथ विक्रेताओं के अधिकारों की रक्षा और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। पूर्व पार्षद लीला वर्मा ने आरोप लगाया कि 5 मार्च की रात करीब 11 बजे हरसिद्धि मंदिर के सामने बने इस जनसुविधा केंद्र को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि यह केंद्र आम जनता और पथ विक्रेताओं की सुविधा के लिए बनाया गया था। वर्मा के अनुसार, जब उन्होंने इस कार्रवाई का विरोध किया, तो मौके पर मौजूद लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार किया।

रंगपंचमी की गेर में शामिल हुए सीएम यादव महाकाल मंदिर में किया ध्वजा पूजन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल को एक लोटा केसर जल अर्पित कर रंगपंचमी की परंपरागत शुरुआत हुई। इसके बाद शहर में अगल-अलग गेर निकलने का सिलसिला शुरू हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी इस उत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने टावर चौक पर आमजन के साथ फूलों की होली खेली। इस दौरान उन्होंने लोगों पर गुलाब के फूलों की वर्षा की, देशभक्ति गीत गाया और प्रदेशवासियों को रंगपंचमी की शुभकामनाएं दीं। टावर चौक पर बने मंच से मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को रंगपंचमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि फूलों के ये रंग हमें याद दिलाते हैं कि जीवन में सबसे बड़ा रंग दिल का होता है, जो आपसी सम्मान, भाईचारे और देशभक्ति से भरा होता है। उन्होंने कहा कि इस पर्व से समाज में प्रेम, स्नेह और आत्मीयता बढ़े, यही ईश्वर से प्रार्थना है।

गेर में शामिल होने से पहले सीएम महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान महाकाल के दर्शन किए और मंदिर से निकलने वाली पारंपरिक गेर की ध्वजा का पूजन किया। इस दौरान उन्होंने अखाड़ों के शस्त्रों की पूजा-अर्चना की और शस्त्र संचालन कर प्रदर्शन भी किया।

इसके बाद मुख्यमंत्री संत नगर पहुंचे, जहां से गेर की शुरुआत हुई। यहां सिंधी समाज के मंच से उनका स्वागत किया गया। इसी दौरान मंच के सामने पटाखा फोड़ा गया, लेकिन भीड़ अधिक होने के कारण बिना सूचना पटाखा फूटने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। इस घटना में पांच लोग घायल हो गया, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। उधर, शहर में रंगपंचमी का पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। शाम 6 बजे महाकालेश्वर मंदिर से ध्वज चल समारोह भी निकाला जाएगा, जिसमें शिव परिवार की झांकियां और बैंड मुख्य आकर्षण रहेंगे। रंगपंचमी के अवसर पर इस बार नगर गेर नए स्वरूप में आयोजित की जा रही है। प्रशासन और आयोजन समिति के निर्णय के अनुसार, यह गेर पारंपरिक उत्तर क्षेत्र के बजाय दक्षिण क्षेत्र से निकाली रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में होने वाले इस आयोजन को 'श्री कृष्ण सुदामा रंग पंचमी उत्सव' नाम दिया गया है। गैर संत नगर चौराहे से शुरू होकर सिंधी कॉलोनी, इंदिरा गांधी चौराहा होते हुए टॉवर चौक तक पहुंचेगी। इस गैर में लगभग 25 क्विंटल हर्बल गुलाल का उपयोग किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह अब 17 मार्च को होगा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह की तारीख फिर बदल गई। अब समारोह 17 मार्च को होगा। पिछले चार साल से विश्वविद्यालय चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर दीक्षांत समारोह करता आ रहा है। इस साल भी परंपरा के अनुसार 19 मार्च को होना था। विश्वविद्यालय ने इसकी अधिसूचना जारी की। 19 मार्च की तारीख का प्रस्ताव राजभवन भेजा। यहां से 18 मार्च की तारीख मिली। अब फिर 5 मार्च को कुलसचिव डॉ. अनिलकुमार शर्मा ने संशोधित अधिसूचना जारी की।

सांसद ने बगलामुखी मंदिर में किया मिर्ची अनुष्ठान, 51 बटुक ने एक घंटे तक की पूजा-अर्चना

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया ने बगलामुखी मंदिर में मिर्ची अनुष्ठान कराया। इस दौरान सांसद यज्ञ में मिर्ची की आहुति देते नजर आए। शनिवार सुबह भेरूगढ़ स्थित मां बगलामुखी मंदिर में भारतीय टीम की जीत के लिए मंदिर के महंत रामदास महाराज और सांसद अनिल फिरोजिया की मौजूदगी में मिर्ची अनुष्ठान हुआ। इस अनुष्ठान में 51 बटुकों ने भारतीय टीम के खिलाड़ियों के चित्र रखकर मिर्ची, सरसों सहित विभिन्न द्रव्यों और पूजन सामग्री से करीब एक घंटे तक पूजा-अर्चना कर टीम इंडिया की विजय की कामना की। महंत रामदास महाराज ने बताया कि भारतीय टीम की जीत के लिए 51 बटुकों ने हवन अनुष्ठान किया। लाल मिर्च, सरसों और अन्य पूजन सामग्री से माता से भारतीय टीम की विजय की प्रार्थना की गई।

उज्जैन-मक्सी रोड के चौड़ीकरण लोगों ने खुद अपने मकान तोड़े

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ 2028 को लेकर शहर के कई इलाकों में चौड़ीकरण किया जा रहा है, जिसका जमकर विरोध भी हो रहा है। पिपलीनाका वाले मामले में तो भाजपा विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा अपनी ही सरकार के खिलाफ मैदान में आ गए थे। हालांकि एक ही दिन में वे बैकफुट पर चले गए। ऐसे में हमने उज्जैन-मक्सी रोड चौड़ीकरण के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट की पड़ताल की। यह मार्ग 38.95 किमी में फोरलेन होना है। इसके वर्कऑर्डर दिए 5 माह से ज्यादा समय हो गया, लेकिन जमीनी स्तर पर काम नजर नहीं आ रहा। शहरी क्षेत्र पंवासा से शंकरपुर के जिस इलाके में 2 माह पहले ही लोगों ने अपने मकान तोड़कर सड़क निर्माण के लिए जगह दे दी। ठेकेदार ने अब तक काम शुरू नहीं किया। काम धीमा देख लोगों ने फिर से मकान के तोड़े गए हिस्से के आगे टेंट लगा लिए और अपना कारोबार शुरू कर दिया।

निर्माण एजेंसी प्लांट ही नहीं डाल सकी

खास बात यह है कि निर्माण एजेंसी अपेक्स स्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड अब तक अपना डामर प्लांट भी नहीं डाल सकी। गिट्टी-चूरी के प्लांट लगाने में ही 4-5 माह निकाल दिए। ऐसे में निर्माण के नाम पर कायथा, डिंगरोदा और ताजपुर के पास ही सड़क के साइड में मिट्टी डालकर बैस बनाने का काम शुरू किया है। यह काम भी धीमे चल रहा है।

सेंटर से 11-11 मीटर यह होना है निर्माण

38.95 किमी रोड को सेंटर से 11-11 मीटर दोनों साइड नाली सहित चौड़ा किया जाना है। इसके बीच में 9 पुल और 40 छोटी पुलिया बनाई जाना है। रोड मक्सी के ?जरिये उज्जैन को आगरा-बॉम्बे नेशनल हाईवे से कनेक्ट करेगा। इंदौर व देवास रोड पर ज्यादा ट्रैफिक होने की स्थिति में मक्सी रोड बेहतर विकल्प साबित होगा।

273 करोड़ का काम 203 करोड़ में लिया

38.95 किमी फोरलेन के लिए एमपीआरडीसी के इंजीनियरों ने 273 करोड़ लागत निकाली। अपेक्स स्ट्रक्चर प्रालि ने 25.50% कम दर पर 203 करोड़ रुपए में काम ले लिया। विभागीय स्तर पर निकाली गई अनुमानित कीमत से 70 करोड़ रुपए कम में ठेका लेने के बाद गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हो गए।

न्यूज ब्रीफ

अग्निवीर सेना भर्ती के लिए आवेदन प्रारंभ, एक अप्रैल तक कर सकेंगे पंजीयन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी एक अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। भर्ती संबंधी विस्तृत जानकारी एवं अधिसूचना भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर उपलब्ध है। इस भर्ती के अंतर्गत अग्निवीर (पुरुष) जनरल ड्यूटी, एसकेटी, टेक्निकल, ट्रेड्समैन (8वीं एवं 10वीं), महिला सेना पुलिस तथा स्थाई पदों के लिए नर्सिंग असिस्टेंट, नर्सिंग असिस्टेंट वेट एवं सिपाही फार्मा के पदों पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। बताया गया कि इस बार सेना भर्ती में आयु सीमा में एक वर्ष की वृद्धि की गई है। अग्निवीर पदों के लिए एक जुलाई 2005 से एक जुलाई 2009 के बीच जन्मे युवा आवेदन कर सकेंगे, जबकि स्थाई पदों के लिए एक जुलाई 2004 से एक जुलाई 2009 के बीच जन्मे अभ्यर्थी पंजीयन के पात्र होंगे। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे निर्धारित तिथि के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर दें। भर्ती से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए अभ्यर्थी सेना भर्ती कार्यालय महू के दूरभाष क्रमांक 7648815570 पर संपर्क कर सकते हैं।

लिपिकवर्गीय शासकीय कर्मचारियों से लेखा प्रशिक्षण के लिये आवेदन आमंत्रित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● लेखा प्रशिक्षण शाला इंदौर का आगामी नियमित लेखा प्रशिक्षण सत्र आगामी एक अप्रैल से जून 2026 तक चलेगा। लेखा प्रशिक्षण में शामिल होने के इच्छुक लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी अपने आवेदन पत्र तीन मूल प्रतियों में लेखा प्रशिक्षण शाला इंदौर में 16 मार्च 2026 तक जमा किये जा सकते हैं। आवेदन-पत्र का निर्धारित प्रारूप लेखा प्रशिक्षण शाला इंदौर से कार्यालयीन समय में प्राप्त किया जा सकता है। लेखा प्रशिक्षण शाला इंदौर के प्राचार्य ने बताया कि लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी, जिन्होंने सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार सीपीसीटी परीक्षा उतीर्ण किया है अथवा सीधी भर्ती / पदोन्नत पदों में शासन के निर्देशानुसार छूट प्राप्त है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने तैयार किया प्रस्ताव, कैबिनेट से जल्द लगेगी मुहर

मप्र में सरकारी नौकरी के लिए हटने जा रही है 2 बच्चों की शर्त!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश में लगभग 25 वर्ष बाद सरकारी नौकरी के लिए लागू दो बच्चों की अनिवार्य शर्त समाप्त होने जा रही है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर लिया है और इसे शीघ्र ही राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1961 में संशोधन कर दो बच्चों की बाध्यता से जुड़ा प्रावधान समाप्त कर दिया जाएगा।

2001 में लागू हुआ था नियम, कई कर्मचारियों की जा चुकी नौकरी- मध्यप्रदेश में 26 जनवरी 2001 से यह नियम लागू किया गया था, जिसके तहत किसी भी शासकीय सेवक के दो से अधिक जीवित बच्चे होने की स्थिति में उसके विरुद्ध कार्रवाई का प्रावधान था। इस नियम के कारण बीते वर्षों में कई कर्मचारियों की नौकरी भी जा चुकी है। हालांकि हाल के वर्षों में इस प्रावधान के तहत कार्रवाई लगभग बंद हो चुकी है।

नई व्यवस्था लागू होने के बाद यदि किसी शासकीय कर्मचारी की तीसरी संतान होती है तो उसे नौकरी से बर्खास्त नहीं किया जा सकेगा। सामान्य प्रशासन विभाग के अनुसार प्रस्ताव में यह भी व्यवस्था है कि तीसरी संतान के आधार पर विभागीय स्तर या न्यायालयों में लंबित सभी प्रकरण स्वत: समाप्त माने जाएंगे और उन पर आगे कोई कार्रवाई नहीं होगी। हालांकि वर्ष 2001 के बाद जिन कर्मचारियों के विरुद्ध तीसरी संतान के आधार पर कार्रवाई हो चुकी है या जिन्हें सेवा से पृथक किया जा चुका है, उन्हें पुन: सेवा में लेने का प्रावधान प्रस्ताव में शामिल नहीं किया गया है। इस संबंध में अंतिम निर्णय मंत्रिमंडल स्तर पर ही लिया जाएगा।

इन विभागों में सबसे अधिक विवाद-सरकारी सूत्रों के अनुसार

राज्य के कई विभागों में इस नियम से जुड़े विवाद सामने आए हैं। विशेष रूप से चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य, स्कूल शिक्षा और उच्च शिक्षा विभागों में ऐसी शिकायतें अधिक बताई जाती हैं। अनुमान है कि तीसरी संतान से जुड़े लगभग 8 से 10 हजार प्रकरण विभिन्न स्तरों पर सामने आए हैं। चिकित्सा शिक्षा विभाग से जुड़े कुछ मामले सामान्य प्रशासन विभाग तक भी पहुंचे हैं।

पड़ोसी राज्यों में पहले ही हट चुकी है पाबंदी-मध्यप्रदेश के पड़ोसी राज्यों में यह पाबंदी पहले ही समाप्त की जा चुकी है। राजस्थान ने 11 मई 2016 को और छत्तीसगढ़ ने 14 जुलाई 2017 को दो बच्चों की अनिवार्यता का नियम समाप्त कर दिया था। इसके बाद वहां तीन बच्चों वाले कर्मचारी भी शासकीय सेवाओं में कार्यरत हैं।

प्रदेश में प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से अधिक राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य-सर्वेक्षण (एनएफएचएस) 2019-20 के अनुसार मध्यप्रदेश की कुल प्रजनन दर 2.9 है, जो राष्ट्रीय औसत 2.1 से अधिक है। राज्य के शहरी क्षेत्रों में यह दर लगभग 2.1 और ग्रामीण क्षेत्रों में 2.8 के आसपास है। जिलों की बात करें तो भोपाल में प्रजनन दर लगभग 2.0 है, जबकि पन्ना (4.1), शिवपुरी (4.0) और बड़वानी (3.9) जैसे जिलों में यह अपेक्षाकृत अधिक है।

कैबिनेट की मंजूरी के बाद होगा लागू-सामान्य प्रशासन विभाग के अपर सचिव अजय कटेसरिया के अनुसार इस विषय पर विभागीय स्तर पर विस्तृत अध्ययन और तैयारी की जा चुकी है तथा मामला फिलहाल वरिष्ठ स्तर पर प्रक्रिया में है। कैबिनेट की स्वीकृति मिलने के बाद ही अंतिम निर्णय लागू किया जाएगा।

परिवार की समरसता-सामाजिक यथार्थ को भी मिलेगा बल

सरकार के प्रस्तावित निर्णय को परिवार और समाज की बदलती वास्तविकताओं के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि परिवार में एक, दो या उससे अधिक बच्चे होना अपने आप में सामाजिक या प्रशासनिक कसौटी नहीं होना चाहिए। कई बार संयुक्त परिवारों में बच्चों का पालन-पोषण सामूहिक रूप से होता है और परिवार की संरचना केवल संतान संख्या से निर्धारित नहीं होती। ऐसे में यह निर्णय इस विचार को भी बल देगा कि परिवार का वास्तविक आधार पारस्परिक सहयोग, सामंजस्य और जिम्मेदारी है। यदि परिवार के सदस्य मिल-जुलकर रहते हैं और बच्चों का पालन-पोषण उचित वातावरण में होता है, तो संतान संख्या को नौकरी से जोडना व्यवहारिक नहीं माना जाता। माना जा रहा है कि यह कदम सामाजिक यथार्थ को स्वीकार करने और पारिवारिक समरसता को महत्व देने की दिशा में एक सकारात्मक पहल साबित हो सकता है।

बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्र अपनी व्यस्तता के चलते इस फॉर्म को भरने से मौका चूके

सीयूईटी यूजी की जल्दी हुई आवेदन प्रक्रिया ने स्टूडेंट को किया परेशान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एनटीए की ओर से सीयूईटी यूजी-2026 के रिजस्ट्रेशन की विंडो बंद हो गई है, लेकिन छात्रों को तकनीकी समस्या के चलते परेशानी का सामना करना पड़ा। हर साल एनटीए की ओर से सीयूईटी यूजी के आवेदन की प्रक्रिया फरवरी से मार्च तक चलती है, लेकिन इस बार जनवरी में प्रक्रिया शुरु हुई जो कि फरवरी तक चली। हालांकि इसके बाद एक बार ओर छात्रों को आवेदन का मौका जरुर दिया गया, लेकिन बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्र अपनी व्यस्तता के चलते इस फॉर्म को भरने से चुक गए। छात्रों का कहना हैं कि बाद में हमें पता चला कि एनटीए की ओर से तीन दिन के लिए आवेदन का मौका दिया था। ऐसे में छात्र मांग कर रहे हैं कि एक बार फिर से उन्हें मौका दिया जाए, जो आवेदन करने से वंचित रह गए है और जिन्हें करेक्शन करना है।

सूत्रों की माने तो सीयूईटी यूजी के लिए रजिस्ट्रेशन विंडो फिर से खोलने के बावजूद, कई छात्र तकनीकी खराबी, फॉर्म री-ओपन होने की जानकारी के अभाव के चलते और अंतिम समय में सर्वर डाउन होने जैसी समस्याओं के कारण आवेदन करने से चूक गए।

वहीं कई छात्रों स्कूल हॉस्टल में रहते हैं उन्हें समय पर जानकारी नहीं मिल पाई, जिससे कई सीटें खाली रहने की संभावना है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो कई विद्यार्थियों को पता ही नहीं लग पाया कि फॉर्म भरने की प्रक्रिया कब शुरु हुई और कब खत्म हो गई। ग्रामीण क्षेत्र के किसान हो या शहरी क्षेत्र के मध्यमवर्गीय परिवार, देशभर के कई अभिभावक शासकीय विश्वविद्यालय या महाविद्यालय की फीस देने में ही सक्षम है।

इसके लिए सीयूईटी यूजी एकमात्र ऐसी परीक्षा है जो उनकी राह को आसान बनाती है, लेकिन इस वर्ष फॉर्म का जल्दी ओपन होना और जल्दी प्रक्रिया का बंद हो जाना छात्रों के लिए परेशानी का कारण बन गया। ऐसे में उन छात्रों का एक साल खराब होने की स्थिति बन गई है। छात्रों को फॉर्म जमा करते समय सबसे अधिक तकनीकी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। छात्र को किस विश्वविद्यालय में कौन से विषय का चयन करना है उसके लिए अलग-अलग सिनेरियो हैं। इसके लिए छात्र को हर विश्वविद्यालय की वेबसाइट और ब्रोशर देखना अनिवार्य रहता है। तीन सेक्शन में टेस्ट विभाजित है। लैंग्वेज, डोमेन और जनरल टेस्ट। हर विश्वविद्यालय के लिए टेस्ट अलग-अलग रहता है कि किस कोर्स के लिए क्या सही हैं। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को फॉर्म भरना चुनौतीभरा रहता है, जिस वजह से वे सायबर कैफे या फिर किसी परिचित पर निर्भर रहते हैं।

दूसरे की गलती से फॉर्म हो गया रिजेक्ट-ग्रामीण क्षेत्र में आज भी कई छात्र और अभिभावक हैं जो 12वीं बोर्ड की परीक्षा के बाद ही महाविद्यालय या विश्वविद्यालय में एडमिशन लेने की योजना बनाते हैं। देशभर के विश्वविद्यालयों में एनटीए की ओर से सीयूईटी की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है, जिसके आवेदन की प्रक्रिया इस बार 12वीं बोर्ड परीक्षा के बीच ही शुरु कर दी गई। ऐसे में कई छात्र या तो परीक्षा फॉर्म ही नहीं भर पाए या फिर किसी दूसरे की गलती की वजह से उनका फॉर्म ही रिजेक्ट हो गया।

छात्रों ने बताई परेशानी

12वीं एमपी बोर्ड के छात्र नीलेश ने बताया बचपन से सपना था कि 12वीं के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय जाकर पढ़ाई करूंगा, या फिर इंदौर के डीएवीवी से अपनी उच्च शिक्षा हासिल करूंगा। इसी उत्साह के साथ नीलेश सीयूईटी यूजी का परीक्षा फॉर्म भरने के लिए गए, लेकिन मोबाइल नंबर अपडेट नहीं होने के कारण ओटीपी नहीं आया और इतने कम समय में नंबर अपडेट नहीं हो पाया। ऐसे में उनका फॉर्म नहीं भर पाया, जिस वजह से उनका एक साल खराब हो गया। मप्र के धामनोद जिले की माही ने बताया उन्होंने फॉर्म री-ओपन होने के बाद नजदीकी सायबर कैफे को पूरी और सही जानकारी मुहैया करवाई, लेकिन कैफे संचालक ने गलत जानकारी सब्मिट कर दी, जिस वजह से मेरा फॉर्म गलत भरा गया। जब तक मुझे पता चला तब तक करेक्शन विंडो भी बंद हो गई थी। माहीं ने बताया ऐसा कई छात्रों के साथ हुआ।

रजत ज्वेलर्स से 60 लाख की ज्वेलरी की धोखाधड़ी

महिला ग्राहकों के नाम पर ले गई जेवर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के तुकोगंज थाना क्षेत्र के सिटी सेंटर में स्थित रजत जेम्स एंड ज्वेलर्स के साथ 60 लाख की धोखाधड़ी हो गई है। एक महिला ने आयोजन के नाम पर 357 ग्राम सोने की ज्वेलरी ली थी, लेकिन न तो ज्वेलरी लौटाई गई और न ही उसकी राशि दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया है।

तुकोगंज पुलिस ने बीएनएस की धारा 316(2) के तहत यह केस मेघा राठौर (पिता आशीष राठौर, निवासी- 109, भक्त प्रह्लाद नगर) के खिलाफ दर्ज किया है। रजत माहेश्वरी (पिता कल्याण माहेश्वरी) ने यह शिकायत दर्ज कराई है।

एफआईआर में यह लिखवाया-रजत माहेश्वरी के जरिए की गई शिकायत के अनुसार, मेघा राठौर ने 21 जनवरी से 9 फरवरी के बीच अलग-अलग ग्राहकों के लिए 357.66 ग्राम सोने की ज्वेलरी ली थी। इसकी कीमत 60 लाख 97 हजार रुपए है। वहीं, राठौर ने यह ज्वेलरी किसी को नहीं बेची और न ही ज्वेलरी कंपनी को लौटाई है। इसके अलावा ज्वेलरी के बदले कंपनी के पास कोई राशि भी जमा नहीं की गई है।

सात साल से काम कर रही थी मेघा-मेघा ज्वेलर्स के यहां साल 2019 से नौकरी पर थी। वह ग्राहकों को घर जाकर ज्वेलरी दिखाने का काम भी करती थी। कई ग्राहक सीधे मेघा को जानते थे। कंपनी को भी उस पर भरोसा था और उसे ज्वेलरी दे देते थे। वहीं, इसी दौरान उसने यह बड़ी धोखाधड़ी कर दी।

कैमरे की निगरानी में हो रहा मूल्यांकन

हाथोंहाथ चढ़ रहे कॉपियों के नंबर, त्रिस्तरीय हो रही चेकिंग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश में माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं कक्षा 10वीं और 12वीं की कॉपियों का मूल्यांकन सीसीटीवी कैमरे की कड़ी निगरानी में किया जा रहा है। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य मूल्यांकन में पारदर्शिता, गोपनीयता और शुद्धता सुनिश्चित करना है। साथ ही कॉपियों के नंबर भी हाथों हाथ चढ़ाए जा रहे है। चेकिंग भी तीन स्तरों पर हो रही है, ताकि सही नंबर ही चढ़ाए जा सके। इंदौर में मोती तबेला स्थित समन्वयक संस्था मालव कन्या स्कूल में गत 22 फरवरी से कॉपियां जांचने का काम चल रहा है। पहले चरण में लगभग 40 हजार कॉपियां जंचने के लिए आई थी, तो दूसरे चरण में 50 हजार के लगभग कॉपियां जंचने के लिए आई है। यहां पर कॉपियां जांचने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ सीसीटीवी कैमरों में हो रही है। पूरी मॉनिटरिंग सीधे भोपाल स्थित कंट्रोल रूम से की जा रही है।

ऐप आधारित मॉनिटरिंग- मूल्यांकन कार्यों की निगरानी के लिए एक विशेष मोबाइल ऐप का उपयोग किया जा रहा है, जो शिक्षकों की उपस्थिति और प्रतिदिन जांची गई कॉपियों का रिकॉर्ड रखता है।

पूरी तरह से नो मोबाइल जोन क्षेत्र - मूल्यांकन कक्ष में मोबाइल फोन के उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। कोई भी शिक्षक इस मूल्यांकन केंद्र में मोबाइल लेकर नहीं जा सकता है। मोबाइल उसे पहले ही जमा करना होते है।

प्रतिदिन इतनी कॉपियां जांचना ही होगी - परिणाम समय पर घोषित करने के लिए, मूल्यांकनकर्ताओं को प्रतिदिन न्यूनतम 45 और अधिकतम 60 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच करने का निर्देश दिया गया है। इसलिए प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता को प्रतिदिन इतनी कॉपियां जांचना ही होगी।

तीन स्तरीय हो रही जांच- कॉपियों के नंबर प्रतिदिन चढ़ाएं जा रहे है, लेकिन उसके पहले तीन बार एक कॉपी को जांचा जा रहा है। पहले मूल्यांकनकर्ता कॉपियां जांचता है और अंक देता है। उसके बाद उपमुख्य परीक्षक द्वारा कॉपियों की जांच की जाती है, जिससे यह पता चलता है कि मूल्यांकनकर्ता ने कोई गलती तो नहीं की है।

फिर बना नकल प्रकरण, हिंदी के प्रश्न पत्र में नकल करता पकड़ा

बोर्ड की परीक्षाएं समाप्त, कुल 4 केस बने

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मंडल माध्यमिक शिक्षा मध्यप्रदेश की बोर्ड परीक्षाएं समाप्त हो गई है और इंदौर में कुल चार नकल प्रकरण बने। शनिवार को कक्षा 12वीं का आखिरी पेपर हिंदी का था, इसमें भी एक छात्र नकल करते हुए पकड़ा गया। मंडल की 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं गत माह 10 फरवरी से शुरू हुई थी, जो शनिवार 7 मार्च को समाप्त हुई। वहीं कक्षा 10वीं की परीक्षाएं 13 फरवरी से शुरू हुई थी और यह 6 मार्च को समाप्त हुई। लगभग 25 दिनों तक चले इस परीक्षा के दौर में जिले में कई जगह नकल करने की सूचनाएं मिली और उडनदस्तों ने भी दबिश दी। इंदौर में इस बार कुल 4 नकल प्रकरण बने है। जिले में शनिवार को कक्षा 12वीं का हिंदी का पेपर था, इसमें भी एक छात्र नकल करते हुए पकड़ा गया। इस बार कुल 4 नकल प्रकरण बने है।

पिछले कुछ सालों में इंदौर में नकल के प्रकरण नहीं के बराबर बन रहे थे, लेकिन इस बार खूल नकल हुई और छात्र पकड़े भी गए। यानी इस बार कड़ी निगरानी के बाद भी कई स्कूलों में नकल हुई। छात्रों के पास से नकल की सामग्री भी मिली। इस तरह इंदौर जिले में नकल प्रकरण रोकने के लिए जो दस्ते बनाए थे, सीसीटीवी कैमरे लगाए थे, वे नाकाफी साबित हुए।

रियल सेक्टर बेहाल, पंजीयन आय 700 करोड़ कम, प्रॉपर्टी गाइडलाइन 20 फीसदी से ज्यादा बढ़ेगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● पंजीयन (रजिस्ट्री) विभाग की कुल आय में इंदौर जिले का हिस्सा करीब 25 फीसदी तक रहता है। इस स्थिति चिंताजनक है। इंदौर जिले में पंजीयन से कुल आय फरवरी अंत तक 2200 करोड़ रुपए ही हुई थी। इसके लिए लगभग 2900 करोड़ रुपए का लक्ष्य रखा गया था। यानी 700 करोड़ रुपए कम। वित्तीय साल 2025-26 के लिए इंदौर जिले की आय का लक्ष्य तीन हजार 97 करोड़ रुपए है। यानी इसके लिए मार्च माह में करीब 900 करोड़ रुपए की जरूरत है। ये वर्तमान स्थिति में संभव नहीं है। माना जा रहा है कि आय 2600-2700 करोड़ से ज्यादा नहीं होगी। हालत यह है कि बीते साल इसी अवधि में करीब 78 हजार दस्तावेज पंजीबद्ध हुए थे। इस बार यह संख्या 70 हजार करीब है।

प्रापर्टी गाइडलाइन में होगी बेतहाशा बढ़ोतरी-इस आय की कमी को अगले साल पूरा करना है। इसके लिए अब पंजीयन विभाग ने प्रापर्टी गाइडलाइन में बढ़ोतरी की तैयारी कर ली है। इसके लिए भोपाल से खुली छूट दी गई है। जहां तक हो सके 50 फीसदी की भी बढोतरी की जाए। वहीं जिले में औसतन बढ़ोतरी 20 फीसदी से ज्यादा होगी। जिले में कुल लोकेशन 4 हजार 800 हैं। इसमें से 3 हजार 500 जगह पर दाम बढ़ाने के प्रस्ताव तैयार हो गए हैं। यानी जिले में 73 फीसदी

लोकेशन पर दाम बढ़ना तय है।

यहां पर 50 से 100 फीसदी तक बढ़ोतरी-शहर के मध्य और घने स्थल में दामों में अधिक बढ़ोतरी नहीं होनी है। यह बढ़ोतरी शहर के बाहर की ओर होगी। इसमें रिंग रोड, बायपास के साथ ही शहर में शामिल हुए 29 गांव, जिन 79 गांवों का मास्टर प्लान अटका है वहां पर और खासकर ग्रामीण एरिया में होगी।यहां पर बढ़ोतरी 50 से लेकर 100 फीसदी तक होगी। करीब सौ से ज्यादा लोकेशन ऐसे चिन्हित की गई है, जहां पर प्रापर्टी गाइडलाइन दोगुनी हो जाएगी, यानी 100 फीसदी बढ़ोतरी हो जाएगी।

अधिकांश लोकेशन पर 50 फीसदी तक बढ़ोतरी-वहीं चिन्हित 3 हजार 500 लोकेशन में से लगभग तीन हजार लोकेशन ऐसी होने वाली हैं, जिसमें 0 से लेकर 50 फीसदी तक बढ़ोतरी होगी। जिले की औसतन बढ़ोतरी 20 फीसदी के करीब रहेगी।

जहां जमीन अधिग्रहण वहां भी 20 फीसदी बढ़ोतरी-वहीं जमीन अधिग्रहण को लेकर कई जगह किसानों की आपत्ति और विरोध है। इसे देखते हुए भोपाल से भी निर्देश आए हैं कि यहां खेती की जमीन में 20 फीसदी के करीब बढ़ोतरी की जाए। इससे किसान भी जमीन देने के लिए तैयार होंगे और विकास तेजी से हो सकेगा। इसलिए जहां जमीन अधिग्रहण संबंधी प्रोजेक्ट है वहां पर भी बढ़ोतरी प्रस्ताव तैयार किए गए हैं।

बाजार की मांग, स्टाम्प ड्यूटी कम हो, दाम बढ़ें-हाल ही में इंदौर में नरेडको की भी बैठक हुई थी। इसमें भी मांग उठी थी कि देश में सबसे ज्यादा स्टांप ड्यूटी 12.50 फीसदी की मध्यप्रदेश में ही है। ऐसे में इसे महाराष्ट्र व अन्य राज्यों जैसे 5-6 फीसदी पर लाना चाहिए। बदले में प्रॉपर्टी गाइडलाइन को बाजार अनुसार करना चाहिए। साथ ही मांग थी कि एफएआर को भी अधिक किया जाना चाहिए।

सिंहस्थ के चलते भी प्रापर्टी में बढ़ोतरी

सिंहस्थ 2028 के चलते इंदौर के आसपास कई विकास प्रोजेक्ट चल रहे हैं। खासकर सड़क बनाने के प्रोजेक्ट। इसे देखते हुए भी इन सभी सड़कों के नेटवर्क वाले एरिया में अच्छी खासी गाइडलाइन बढ़ाई जाएगी। इसके लिए पंजीयन विभाग ने खास तैयारी कर ली है। इसके साथ ही इस बार गांवों से कस्बों में परिवर्तित होने वाले क्षेत्रों में गाइडलाइन बढ़ेगी। जिन क्षेत्रों में गाइडलाइन से अधिक मूल्य पर रजिस्ट्री हो रही है, वहां रेट तो बढ़ना ही है। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए हैं कि जिन क्षेत्रों में गाइडलाइन से अधिक दरों पर पंजीयन हो रहा है, उनसे लगे हुए क्षेत्रों में भी उसी अनुपात में बढ़ोतरी की जाए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।